श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 34 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 अगस्त 2025 बुधवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

तबाही... अब हिमाचल में बादल फटे, उत्तराखंड में लापताओं की तलाश

देहरादून/शिमला एजेंसी

पहाड़ों पर मानसून की बारिश इस बार जबर्दस्त आफत लेकर आई है। कल उत्तराखंड में बादल फटने से जलप्रलय के बाद अब आज हिमाचल प्रदेश के किन्नौर तंगलिंग में बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात बन गये हैं। पहाड़ से चट्टान और मलबे का सैलाब नीचे सड़क पर गिर रहे हैं। अचानक आई बाढ़ से कैलाश यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने रस्सी के सहारे 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है। हिमाचल में देर रात को भी चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

कैलाश यात्रा रुकी, 400 तीर्थयात्रियों का रेस्क्यू 500 सड़कें बंद

शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

उधर उत्तराखंड के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही के बीच अब तक चार मौतों की पुष्टि हुई है। जबकि 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद है। हरिद्वार-देहरादून रेल पर चट्टान गिरने से रेल परिचालन भी ठप है। कल से लेकर अभी तक 130 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। गंगोत्री तीर्थयात्रियों के प्रमुख पड़ाव धराली गांव के बाजार-मकान, होटल बह गए। खीर गंगा नदी में पहाड़ों से बहकर आए मलबे से सिर्फ 34 सेकेंड में ये बर्बादी हुई। हर्षिल में सेना के 8-10 जवान बादल फटने के बाद से लापता हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम की बातचीत

इस बीच आज सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का एरियल सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर मीटिंग भी की।

चार इमली के बंजर बाड़े में पलती लावारिस गायों का विवाद

मोहन यादव की *सरकार* में भी एक आला अफसर का 'इकबाल' बुलंद

अनिल शर्मा, भोपाल

रसूखदारों की कॉलोनी चार इमली के एक मंदिर परिसर में पल रही बेसहारा गायों को बेदखल करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देने वाले सरकार के चहेते अफसर की अब अपनी चमड़ी बचाने की नायाब दलीलें सामने आ रही हैं। एक यदुवंशी मुख्यमंत्री यानी मोहन यादव के राज में जब चार इमली के एक बाड़े में पूर्णतः जनसहयोग से पलती गायों के आशियाने को उजाड़ा गया तो कोरोना काल से जन सहयोग से इन गायों का पाल रहे लोगों का गुस्सा जायज था । लोगों के आक्रोश की खबर मिलने के बाद वहाँ बीजेपी विधायक भगवान दास सबनानी और संस्कृति बचाओ आंदोलन के नेता भी पहुंचे थे । कांग्रेस के पूर्व विधायक पीसी शर्मा और इलाके के कांग्रेसी पार्षद गुड्डू चोहान ने भी विरोध किया। ऐसे में निगम की कारवाई के बाद गायों को हटाने का काम तो रुक गया लेकिन निगम अमला धूप बारिश से बचाने वाले शेड उखाड़कर ले गया ।

यह सारी कारवाई भोपाल नगर निगम के कमिश्नर हरेंद्र सिंह यादव के निर्देश पर हुई । लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी नेताओं के सामने नई और गले नहीं उतरने वाली दलीलें दी जा रही हैं । मसलन आपसी सहयोग से गायों को पाल रहे चार इमली के लोग गौशाला में ब्रीडिंग करवा रहे हैं। पहले यहाँ मात्र बीस गाय और बछड़े थे , लेकिन अब ये सत्तर हो गए। लेकिन कोई अफसर बताएगा क्या कि क्या वहाँ कोई कृत्रिम गर्भाधान केंद्र खोला था ? बिना किसी आधार के की जा रही ऐसी बात से कॉलोनी के लोग दंग हैं। वे सवाल उठा रहे हैं कि गायों के संरक्षण का दावा करने वाली सरकार में ऐसे जिम्मेदार कारिंदों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती? गोवंश को हटाने के लिए हुई तोड़फोड़ की वजह से नगर निगम की तो भारी किरकिरी हुई ही है , सरकार को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है।

विधायक सबनानी ने उसी दिन मौके से निगम कमिश्नर हरेंद्र सिंह यादव से बात भी थी। सबनानी के अनुसार, तब कमिश्नर ने उन्हें बताया था कि शिव मंदिर की गौशाला में ब्रीडिंग कराए जाने की वजह से गौवंश की संख्या अब 60 -70 हो गई है जो कोविड के समय सिर्फ 20 थी। इसीलिए निगम यह कार्रवाई कर रहा है। विधायक को कमिश्नर से ही यह भी पता चला की यह ताबड़तोड़ एक्शन सीनियर एसीएस स्तर के आईएएस अफसर के मौखिक निर्देश पर हुआ। बता दें की यह अफसर दिग्विजय सिंह के कार्यकाल से शिवराज की सरकार तक में ताकतवर रहे हैं। इन्होंने अजाक्स की एक सभा में शिवराज से कहलावाया था कि कोई माई का लाल आरक्षण खत्म नहीं कर सकता। खासतौर से पूर्व मुख्य सचिव का इन्हें पूरे कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन मिलता रहा है । इस घटनाक्रम ने साबित किया कि मोहन सरकार में भी उनका वही रसूख कायम है।

दूसरी ओर, कालोनी के लोगों और मंदिर प्रबंधन का साफ़ कहना है कि यहां गाय और बैल दोनों गौवंश होने के कारण प्राकृतिक रूप से संख्या में वृद्धि हुई है। उनका सवाल है कि क्या यहां किसी व्यावसायिक डेयरी का संचालन हो रहा है? ब्रीडिंग की प्रक्रिया डेयरी में की जाती है। खुद को बचाने के लिए मनगढंत तर्क देने वाले अफसरों के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि शहर की सीमा के भीतर अवैध रूप से डेयरियों का जो संचालन हो रहा है, उन्हें क्यों नहीं रोका जाता। जाहिर है ,इनसे शहर के लोगों को चाहे जो परेशानी हो, निगम कर्मियों के लिए ये जेब गर्म करने का जरिया हैं। इसी तरह सड़क पर आवारा घूमते मवेशी भी निगम को नहीं दिखते जो आये दिन सड़क हादसों का कारण बनते हैं।

नंनि भावनाओं का ख्याल रखे तो बेहतर

होना तो ये चाहिए कि चार इमली के मंदिर परिसर में जन सहयोग से चल रही गौशाला के लिए निगम किसी सकारात्मक सुझाव के साथ आगे आये। इसमें गौशाला का इसी स्थान पर रजिस्ट्रेशन कर इसे मदद देना भी शामिल हो सकता है। इससे सरकार की नीति के अनुसार गायों को भी भला होगा ओर सालों तक उनकी देखरेख करने वालों की भावनाएं भी आहत नहीं होंगी। इसके साथ ही गायों के उबड़ खाबड़ पड़े इस बाड़े में घास लगाकर इसे व्यवस्थित कर दिया जाए। बच्चों के खेलने ओर सैर के लिए पहले से पास में ही नंदन कानन पार्क मौजूद है।

मानसून सत्रः खाकी वर्दी पहनकर पहुंचे कांग्रेस विधायक, भर्ती में गड़बड़ी का आरोप

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक खाकी वर्दी पहनकर पहुंचे हैं। उन्होंने हाथों में तख्ती लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया तथा सरकार पर पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। विधायक रजनीश सिंह ने कहा- हमने बेरोजगारों की तरफ से पुलिस की वर्दी पहनकर प्रदर्शन किया है। हम सरकार से कहना चाह रहे हैं कि कॉन्स्टेबल भर्ती घोटाले की जांच कराएं और नौजवानों को उनका दिलाएं।

उधर मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने के बाद सदन में उत्तराखंड त्रासदी में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक जताया गया। सत्र के दौरान आज चार विधेयकों पर चर्चा होगी। इनमें मध्यप्रदेश जन विश्वास उपबंधों का संशोधन विधेयक, मोटरयान कराधान संशोधन विधेयक, माध्यमस्थ अधिकरण संशोधन और मध्यप्रदेश समाज के कमजोर वर्गों के लिए विधिक सहायता और निरसन विधेयक शामिल हैं, यह कल पेश किये गये थे। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने पर स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज भोजनावकाश (लंच ब्रेक) नहीं होगा।

50 फीसद टैरिफ से ट्रंप पर आगबबूला हुए लूला

नई दिल्ली एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए तीखी बातें कहीं हैं। लूला ने कहा है कि टैरिफ के मुद्दे को सुलझाने के लिए ट्रंप से बात करने में उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है। इसके बजाय वे भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को कॉल कर लेंगे। गौरतलब है कि ट्रंप ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम टैरिफ लगाया है। लूला ने ट्रंप के कदम को दोनों देशों के रिश्तों का सबसे अफसोसनाक दिन व टैरिफ वॉर को ब्राजील की संप्रभुता और न्यायालय की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। दरअसल ब्राजील पर ट्रंप के टैरिफ न सिर्फ व्यावसायिक प्रभुत्व की लड़ाई है बल्कि ट्रंप ब्राजील की न्याय व्यवस्था में भी दखल दे रहे हैं।

रेपो रेट में कटौती पर इस बार लग गया ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने इस बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5 प्रतिशत पर जस का तस रखा है। यानी न लोन महंगे नहीं होंगे और न ही लोगों की ईएमआई बढ़ेगी। आरबीआई ने जून में ब्याज दर 0.50 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी की थीं। जबकि इससे पहले लगातार तीन बैठकों में केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट घटाने का ऐलान किया था। बैंक की मानिटरी पालिसी कमेटी की तीन दिनी बैठक के बाद आज सुबह आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कहा कि त्योहारी सीजन इकोनॉमिक एक्टिविटीज के लिए खास होता है, लेकिन अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी है। हालांकि, सामान्य से बेहतर मानसून और कम महंगाई दर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है। ग्लोबल ट्रेड हालातों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में आरबीआई ने इकोनॉमी ग्रोथ को लेकर उचित कदम उठाए हैं और ये मजबूत बनी हुई है। रिजर्व बैंक के फैसले से साफ है कि भारत अमेरिका टैरिफ को लेकर जब तक तस्वीर पूरी तरह से साफ नहीं हो जाती, केंद्रीय बैंक जल्दबाजी के मूड में नहीं है। मल्होत्रा ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। टैरिफ अनिश्चितता के कारण ये फैसला लिया गया है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। इसमें बदलाव नहीं होने का मतलब है कि ब्याज दरें न तो बढ़ेंगी न घटेंगी। महंगाई को लेकर जारी अनुमानों के बारे में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में महंगाई दायरे में रहेगी, यानी कोर मंहगाई के 3.1 रहने का अनुमान है।

अमेरिका के टैरिफ की अनिश्चितता का असर, अभी 5.5 पर रहेगा स्थिर

राहुल को चाईबासा मानहानि मामले में मिली जमानत

चाईबासा। भाजपा नेताओं पर कॉमेंट के चलते मानहानि का केस झेल रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इस मामले में जमानत मिल गई है। झारखंड के चाईबासा की एमपी एमएलए विशेष कोर्ट ने बुधवार को उनकी पेशी के बाद जमानत दी है। राहुल गांधी के वकील ने बताया कि हाईकोर्ट के डायरेक्शन पर राहुल चाईबासा कोर्ट में पेश हुए। यहां कोर्ट ने राहुल की बेल को ग्रांट कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रताप कटियार की ओर से 2018 में मानहानि का केस किया गया था। चूंकि चाईबासा में एमपी एमएलए कोर्ट नहीं है इसलिए यह केस पहले रांची में चल रहा था।

मेट्रो एंकर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने सटीक तंत्र विकसित करने की शुरूआत की

भूकंप ने भारत को दिए नए सबक, *तबाही* की आहट भांपने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी

कुछ दिन पहले रुस में आए भयानक भूकंप ने दुनिया को फिर आगाह किया है कि इसकी पूर्वसूचना का कोई तंत्र विकसित किया जाए। क्योंकि रूस के भूकंप की तीव्रता 8.8 थी, जो कि अति-विनाशकारी श्रेणी में आता है। रूस के दूर-दराज कामचटका तटीय इलाके में कल ही भूकंप का एक और झटका आया है और इसे भी रिक्टर स्केल पर 6.0 मापा गया है। बड़ा भूकंप हमेशा विनाशकारी साबित होता है, क्योंकि अभी तक इसके पूर्वानुमान की कोई ठोस तकनीक विकसित नहीं हो सकी है। अब भारतीय वैज्ञानिक जिस टेक्नोलॉजी को विकसित करने में जुटे हुए हैं, वह उम्मीदों की बड़ी किरण है। इसके तहत भारत भूकंप का एक ऐसा महत्वाकांक्षी अर्ली-वार्निंग सिस्टम विकसित कर रहा है,

जो विनाशकारी माने जाने वाली दूसरी तरंगों से ठीक पहले तबाही की आहट का संदेश देगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय पहले एडवांस डिटेक्शन नेटवर्क तैनात करने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि, अब तक तो भूकंप के सटीक समय, स्थान और तीव्रता की भविष्यवाणी आज तक वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है, लेकिन मंत्रालय ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर है, जो अर्ली-वार्निंग सिस्टम नेटवर्क को बेहतर कर सके।

जब भूकंप होता है, तो पहले प्राइमरी वेव आता है। इसके कुछ देर बाद ही ज्यादा विनाशकारी सेकंडरी वेव आता है। इन दोनों तरंगों के बीच आमतौर पर बहुत ही छोटा अंतराल होता है। वैज्ञानिकों का उद्देश्य प्राइमरी वेव का पता लगाना है। उनके मुताबिक अभी ऐसा करने में जापान सक्षम है। दरअसल, विज्ञान को टेक्नोलॉजी की जानकारी है,लेकिन इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए, ताकि सिस्टम को ऑपरेशनल बनाया जा सके। लिहाजा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय इसी के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है। इसके लिए धरती की गति को मापने के लिए एक्सेलेरोमीटर लगाने होंगे और कई जगहों पर जीपीएस तैनात करने पड़ेंगे। लेकिन इसे विकसित करने में करीब एक दशक लग सकता है।

59 फीसद हिस्सा बेहद संवेदनशील

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार देश का 59 फीसद भू-भाग भूकंप के लिहाज से बहुत ही संवेदनशील है। इसका कारण है, धरती की बनावट। क्योंकि, यहां भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने वाली जगहों का बड़ा हिस्सा है। भूगर्भीय गतिविधियों की वजह से ये प्लेटें आपस में टकराती रहती हैं और इसी वजह से भूकंप का खतरा बना रहता है। इस पूरे भू-भाग को चार भूकंपीय क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इनमें जोन ङ्क सबसे अधिक भूकंपीय गतिविधि वाला क्षेत्र है। जबकि, जोन II सबसे कम भूकंपीय गतिविधि वाला इलाका है। भारत का करीब 11 फीसद क्षेत्र जोन V में आता है।

कलेक्टर ने किया निरीक्षण : रातीबढ़ से मुगालिया छाप तक 10 किमी अतिक्रमण हटेगा

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

स्कूल, गौशाला-आंगनवाड़ी केंद्र भी देखे

राजधानी रातीबढ़ से मुगालिया छाप तक 10 किलोमीटर सड़क किनारे का अतिक्रमण हटेगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एसडीएम से कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर मुगालिया छाप में स्कूल, गोशाला और आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी उन्हें सड़क किनारे अतिक्रमण दिखाई दिया।

कलेक्टर ने शासकीय हाई सेकंडरी स्कूल, गोशाला एवं आंगनवाड़ी केंद्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बताया जाता है कि कलेक्टर ने स्कूल में निरीक्षण के दौरान बच्चों से पढ़ाई के बारे में भी पूछा। कहा कि समझ में आ रहा है कि नहीं? इस पर बच्चों ने हां में जवाब दिया।

मुगालिया छाप में निरीक्षण के दौरान बच्चों की पढ़ाई के बारे में टीचर से जानकारी लेते कलेक्टर।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम समेत अन्य अधिकारियों से चर्चा करते कलेक्टर सिंह।

स्कूल बिल्डिंग की 15 दिन में मरम्मत होगी

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने शासकीय हाई सेकंडरी स्कूल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने स्कूल के प्राचार्य को निर्देश दिए कि बारिश के मौसम में किसी भी जर्जर कक्षा में शिक्षण कार्य न किया जाए। प्राचार्य ने जानकारी दी कि स्कूल बिल्डिंग में कोई भी कक्षा जर्जर नहीं है। सभी कक्षाएं पक्के और सुरक्षित भवनों में संचालित हो रही हैं। कलेक्टर ने जर्जर हिस्से में कक्षा न लगाने और 15 दिन में मरम्मत कराने की बात कहीं।

गौशाला का काम लेट तो होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने मुगालिया छाप में निर्माणाधीन गोशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ शिवानी मिश्रा को निर्देश दिए कि गोशाला का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समय-सीमा में कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों एवं सरपंच के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोशाला में गायों को चारा भी खिलाया।

नियम के पालन की स्थिति देखने का फैसला

कितनों को बिना हेलमेट मिल रहा पेट्रोल अफसर खंगालेंगे पंपों की सीसीटीवी फुटेज

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

राजधानी में बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं देने का आदेश यूं तो एक अगस्त से लागू हो गया है लेकिन इसके बावजूद कई पेट्रोल पंप ऐसे हैं, जहां बिना हेलमेट के ही लोगों की गाड़ियों में पेट्रोल भरा जा रहा है। इस पर लगाम कसने के लिए खाद्य विभाग अब पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखेगा। इसके लिए टीमें बनाई गई हैं, जो सरकारी आदेश के अमल की हालत देखेगी। हालांकि इस नियम को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों के भी कुछ तर्क और मजबूरियां हैं जो वे दबी जुबान जाहिर भी कर रहे हैं। उधर सरकार की तरफ से भी कहा जा चुका है कि कुछ सामाजिक एहतियात सामाजिक स्तर पर भी जरूरी होते हैं।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 30 जुलाई को इस संबंध में आदेश दिए थे जो 31 जुलाई को पेट्रोल पंप संचालकों के पास आदेश पहुंचे और 1 अगस्त से लागू कर दिया। इसका आशय सड़क सुरक्षा को बढावा देना भी था।

पहले दिन सख्ती, समझाइश और कार्रवाई तीनों ही हुई। जुर्माने या पंप सील होने की कार्रवाई के डर से अधिकांश पंप पर बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया गया, लेकिन अगले ही दिन आदेश हवा-हवाई हो गया। तीसरे और चौथे दिन भी यही हालात नजर आए। फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह भदौरिया का कहना है कि अब पंप पर लगे कैमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग निकाल रहे हैं। इसके आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि 2 अगस्त को ही खाद्य विभाग की टीम ने बैरसिया क्षेत्र के तीन पेट्रोल पंपों की जांच की थी। इस दौरान श्रीदेव कृपा फ्यूल्स पंप, भोजपुरा (बैरसिया) पर बिना हेलमेट पेट्रोल दिया जाना पाया गया। स्टॉक रजिस्टर अपडेट नहीं था और पंप के पास विस्फोटक लाइसेंस भी नहीं मिला। इस संबंध में प्रकरण दर्ज किया गया है। राजधानी फ्यूल्स किसान सेवा केंद्र पिपलिया में बिना हेलमेट के पेट्रोल दिया जाना पाया गया। बैरसिया के बीआर पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल विक्रय किया जाना पाया गया। जांच के समय पंप पर 677 लीटर पेट्रोल और 9902 लीटर डीजल स्टॉक से अधिक मिला। जब्त किए गए पेट्रोल एवं डीजल की कीमत 983052 रुपए है। पंप परिसर में निर्मित टैंक नोओसी के सेंक्शन नक्शे के अनुसार नहीं पाए गए। अनियमितताओं के कारण प्रोपराइटर राजमल कुशवाह के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। तीनों पेट्रोल पंप के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं कलेक्टर द्वारा जारी आदेश का उल्लंघन किए जाने से संबंधितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए।

मीटर पैनल में जड़ा था ताला

बहुमंजिला के 20 फ्लैट में पकड़ी बिजली चोरी पांच लाख की बिलिंग

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

बिजली महकमे की टीम ने भानपुर इलाके में ब्रिज के पास मेन रोड की प्राइम लोकेशन पर पीएम आवास योजना के तहत 6 बहुमंजिला बिल्डिंग के 20 मकान में बिजली चोरी पकड़ी है। इसकी सूचना बिजली कंपनी के सिटी सर्किल के भानपुर जोन को लगी थी। लिहांजा एक जांच टीम मौके पर पहुंची तो हैरत में पड़ गई। वहां मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर मीटर पैनल में ताला था। टीम ने पंचनामा बनाकर मीटर पैनल में लगे ताले तुड़वाए।

बताया जाता है कि यहां लोग मल्टी में लगे मीटर को बाईपास कर बस-बार से डायरेक्ट कर बिजली चोरी कर रहे थे। इनमें से दिलीप कुमार, हिमांशु, बबलू, दिनेश, शुभम सहित 20 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया। इन लोगों के घरों में वाशिंग मशीन, एलईडी, फ्रिज समेत सभी बिजली उपकरण चोरी की बिजली से ही चल रहे थे। इन सभी को 5.20 लाख रुपए के बिल थमाए गए। अधिकारियों का कहना है कि इस इलाके में बिजली चोरी की वारदात को बहुत बारीकी से अंजाम दिया जाता है। काफी दिनों से राजधानी में बिजली की चोरी के मामलों में विभाग सतर्कता बरत रहा है। दूसरीतरफ स्मार्ट मीटर भी लगाने का काम तेजी से कर रहा है।

दिलीप कुमार, हिमांशु, बबलू, दिनेश, शुभम सहित 20 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज

संस्कार स्कूल में छात्र परिषद का गठन

हनुमान चालीसा और गीता के साथ ली शपथ

हिरदाराम नगर ,दोपहर मेट्रो

दीपमाला पागारानी संस्कार स्कूल में हाल ही में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जो अपनी अनूठी परंपरा के लिए चर्चा में रहा। इस अवसर पर छात्रों ने हनुमान चालीसा और गीता के श्लोकों का पाठ करते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी, संस्था अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस वर्ष की छात्र परिषद में अध्यक्ष साक्षी मेहरा, उपाध्यक्ष चिराग त्यागी, सचिव नीलम मेहर, क्रीड़ा सचिव दीपेश थाकवानी व अक्षरा होतवानी, अनुशासन सचिव हर्षिता जेसल, आयुषी होतवानी और अंजलि अग्रवाल, हेड गर्ल (मिडिल ग्रुप) पूजा रामनानी और हेड बॉय (मिडिल ग्रुप) उत्सव नागर शामिल थे। इन सभी ने अपने-अपने पदों की शपथ ली। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि शपथ लेना आसान है, लेकिन उसे निभाना सबसे कठिन काम है। उन्होंने छात्रों को ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, कर्नल नारायण पारवानी ने पिछले 25 वर्षों से इस समारोह में शामिल होने पर गर्व जताया और छात्रों को शपथ के बाद उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराया। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने छात्रों को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी।

कर्नल पारवाणी ने कारगिल युद्ध की यादें ताजा की

हिरदाराम नगर। शासकीय कन्या विद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी थे। मुख्य वक्ता रिटायर्ड कर्नल नारायण परवानी। कर्नल परवानी ने 1999 के कारगिल युद्ध की यादें साझा कीं और मनोज पांडे और हनीफुद्दीन जैसे वीर शहीदों की कहानियों को बच्चों के सामने जीवंत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह इन सैनिकों ने अपनी बहादुरी से देश की रक्षा की। संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने विशिष्ट अतिथि के रूप अपनी बात रखी। प्राचार्य आर.सी. वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्राचार्या श्रीमती गायत्री जैसवाल और वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती मनीषा पराशर सहित समस्त स्टाफ मौजूद था।

अज्ञात व्यक्तियों ने बिजली कार्यालय में तोड़फोड़

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर संभाग पूर्व के अंतर्गत आने वाले भानपुर जोन में लतीफ खान, मकान न. 155, समता नगर भानपुर व इनके साथ लाए गए अज्ञात व्यक्तियों द्वारा विद्युत बिलों का बहाना लेकर अनर्गल विवाद पैदा किया व कार्यालय में तोड़फोड़ की गई। उक्त घटना पर कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा समझाइए दी गई परंतु लतीफ खान व इनके साथ आए व्यक्तियों द्वारा कार्यालय में तोड़फोड़ कर वहां कैश काउंटर पर उपस्थित कर्मचारियों से विवाद भी किया गया, रुपए 1500 भी छीन लिए गए। घटना के फुटेज कार्यालय में सुरक्षित है।

बच्चों संग मनाया 'हरियाली उत्सव' पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

ह्यूमन यूनिक मोमेंट डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन द्वारा रितिक कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल,शिव नगर, भ परिसर में 'हरियाली का उत्सव' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 127 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत चित्रकला प्रतियोगिता से हुई, जिसमें बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और भूमि सुरक्षा जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता प्रस्तुत की, विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में संस्था आशा स्मिता फाउंडेशन के परियोजना संचालक संजीव सक्सेना ने सक्रियता पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर आयोजक संस्था के अध्यक्ष विठलराव बारस्कर नने कहा, 'बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता एक स्थायी भविष्य की नींव है। मुझे गर्व है कि संस्था के प्रयासों से बच्चे आज प्रकृति के संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। सभी बच्चों ने वृक्षारोपण करने और प्लास्टिक के कम उपयोग का संकल्प लिया। ह्यूमन यूनिक मोमेंट डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका संवर्धन और ढांचागत विकास जैसे क्षेत्रों में भी निरंतर कार्य कर रहा है।

127 स्कूली बच्चे कार्यक्रम में बने सहभागी

मुगालिया हाट में जागरूकता रैली और पौधारोपण

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की पहल: 'नशे से दूरी है ज़रूरी'

हिरदाराम नगर ,दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 'नशे से दूरी है ज़रूरी' अभियान के तहत मुगालिया हाट गाँव में जागरूकता रैली और पौधारोपण का आयोजन किया। एनएसएस की छात्राओं ने गाँव में रैली निकालकर लोगों को नशे के बुरे प्रभावों के बारे में बताया और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान, 'एक पेड़ माँ के नाम' थीम के तहत पौधारोपण भी किया गया। छात्राओं ने गाँव वालों को समझाया कि जिस तरह माँ हमें जीवन देती है, उसी तरह पेड़ हमें जीवनदायिनी हवा देते हैं। गाँव के सरकारी स्कूल के बच्चों को भी इस अभियान में शामिल किया गया, ताकि वे बचपन से ही इन मूल्यों को समझ सकें।

एम्स को मिले नए डायरेक्टर

भोपाल। राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स को नया नेतृत्व मिल गया है। एम्स दरभंगा के कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानंद कर ने प्रभारी डायरेक्टर का पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने अकादमिक ब्लॉक और हॉस्पिटल का निरीक्षण किया और इसके बाद फैकल्टी और सीनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की। दरअसल, एम्स भोपाल में पिछले कुछ महीनों से प्रशासनिक चुनौतियां और आंतरिक मतभेद चर्चा में है। लिहाजा नये डायरेक्टर ने साफ संदेश दिया कि यहां की हर गतिविधि पर मिनिस्ट्री की नजर है। लिहाजा मतभेद खत्म करें और मिलकर काम करें।

मेट्रो एंकर — मूर्तिकारों व आयोजकों को हिदायतें

16 फीट से ऊंची प्रतिमाओं को चल समारोह में एंट्री नहीं

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

आगामी दिनों में राजधानी में गणेशोत्सव के अलावा अन्य कई आयोजन के दौरान कुछ नए नियम कायदे लागू कराये जाएंगे। इस सिलसिले में मूर्तिकारों और समिति के आयोजकों के साथ हुई बैठक में पुलिस ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रतिमाओं की ऊंचाई, ट्राला समेत, 16 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि ऊंचाई 16 फीट से अधिक ऊंचाई पाई गई होगी, तो उस प्रतिमा को चल समारोह में शामिल नहीं किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आगामी त्यौहार गणेशोत्सव, डोल ग्यारस और मिलाद उन नबी के दौरान शांति तथा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर लंबी चर्चा में यह निर्देश दिए हैं। इस दौरान सभी थाना प्रभारी भी अफसरों के साथ मौजूद थे। जबकि शहर के कई मूर्तिकार और आयोजक भी पहुंचे थे।

फाइल फोटो

बताया जाता है कि पुलिस ने साफ कर दिया है कि गणेश प्रतिमाओं, चल समारोह, जुलूस मार्ग, विसर्जन स्थल, प्रतिमा पंडाल सुरक्षा, आमजन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आयोजकों को पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय रखना होगा। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरा, लाइटिंग, विसर्जन घाट व्यवस्था पर भी चर्चा की गई है। प्रतिमा स्थलों वाले क्षेत्रों में पुलिस की गश्त व असामाजिक तत्वों पर नजर रहेगी। इस दौरान थाना प्रभारियों को अवैध शराब तस्कर, आर्म्स तस्कर, मादक पदार्थ, जुआ/सट्टा के खिलाफ कार्रवाई के लिये भी कहा गया है तथा निगरानी और आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई पर भी बात हुई।

मप्र शिखर खेल अलंकरण एवं 38वें नेशनल गेम्स के पदक विजेता हुए सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खिलाड़ी वो है, जो जीवन में उच्चतम मापदंड स्थापित करें। अपने पराक्रम और साहस से खेल के साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल हो। भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण भी इस नाते उत्कृष्ट खिलाड़ी थे। उनका जीवन खिलाड़ियों सहित हम सभी के लिए प्रेरक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण और 38वें नेशनल गेम्स-2025 के पदक विजेताओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मध्यप्रदेश खेल के क्षेत्र में निरंतर उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण एवं 38वें नेशनल गेम्स 2025 के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह में सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मानित और पुरस्कृत खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ समूह चित्र भी निकलवाया।

आईआईटी प्रशिक्षित 51 युवाओं को मिले विदेशी कंपनियों के आफर लेटर

भोपाल। राज्य सरकार के कौशल विकास प्रयासों से प्रशिक्षित युवाओं को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से ऑफर लेटर मिले हैं। कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने आईटीआई में प्रशिक्षण लेने वाले 51 स्टूडेंट्स को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में चयन के लिए ऑफर लेटर सौंपे। यह स्टूडेंट्स अबू धाबी, जापान, नाइजीरिया और स्लोवाकिया की प्रतिष्ठित कंपनियों में अपनी सेवाएं देंगे। इस दौरान मंत्री ने चयनित युवाओं से संवाद किया और उनके कौशल एवं मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के कुशल युवा अब वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह हमारे प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता और वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल विकास का प्रमाण है। समारोह में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के 5 छात्रों को भी ऑफर लेटर दिए गए। मंत्री ने इस अवसर पर पार्क का प्लेसमेंट ब्रोशर भी लोकार्पित किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित छात्रों की जानकारी और सफलता की कहानियां संकलित हैं। इस स्किल्स पार्क के अब तक 18 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट मिल चुका है। भारत सरकार की संकल्प योजना के तहत, मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड और आईआईयक्ष दिल्ली के सहयोग से उभरती तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त 5 आईटीआई प्रशिक्षुओं को कंप्लीशन सर्टिफिकेट और प्री-प्लेसमेंट ऑफर दिए गए।

जांच दल ने उपग्रह डेटा के आधार पर की कार्रवाई

मंजूरी से ज्यादा खनन, सरकार वसूलेगी 443 करोड़ रुपए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र सरकार ने माना है कि भाजपा विधायक संजय पाठक से जुड़ी तीन खनन कंपनियों द्वारा स्वीकृति से अधिक खनन करने पर सरकार 443 करोड़ से अधिक की वसूली निकालने जा रही है। जीएसटी के बाद यह राशि और बढ़ सकती है। दरअसल, विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल पर मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से यह लिखित जबाव दिया गया। इसमें कहा गया कि जबलपुर के सिहोरा में आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन, निर्मला मिनरल्स और पैसिफिक एक्सपोर्ट द्वारा स्वीकृत मात्रा से अतिरिक्त खनन करने के बावजूद शासन को 1,000 करोड़ रुपए की राशि जमा नहीं की गई। इसकी शिकायत आशुतोष मनु दीक्षित की ओर से ईओडब्ल्यू में 31 जनवरी 2025 को की गई थी।

विभाग ने गठित किया है जांच दल

शिकायत के आधार पर मप्र खनिज साधन विभाग ने 23 अप्रैल को एक जांच दल गठित किया था। जांच दल ने 6 जून को अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिसमें तीनों खनन कंपनियों पर 443 करोड़ 4 लाख, 86 हजार 890 रुपए की वसूली निकाली गई है। इस राशि पर जीएसटी की वसूली अगल से तय की जाएगी। सरकार ने बताया, जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। उधर, आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन एवं निर्मला मिनरल्स ने इस मामले में कहा है कि इतने सालों में फर्म पर रॉयल्टी या टैक्स चोरी की कोई शिकायत नहीं है। यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारी खदान से कभी भी कोई ओवर प्रोडक्शन नहीं हुआ और जितना भी मटेरियल

खदानों से बिका, उस पर रॉयल्टी, सेल्स टैक्स व जीएसटी चुकाया गया है। पूर्व में इस मामले में एक जांच की गई थी, जिसमें जांच के बाद कोर्ट ने सभी आरोपों को तथ्यहीन पाते हुए विभागीय आदेश को निरस्त कर दिया था। कंपनियों का कहना है कि यह रिपोर्ट तैयार करने वाले जांच दल ने हमारी किसी खदान का निरीक्षण नहीं किया न ही किसी प्रतिनिधि से संवाद किया। यह रिपोर्ट वास्तविक तथ्यों या आंकड़ों के बजाए अनुमानित आंकड़ों के आधार पर है।

खनन ब्यूरो की रिपोर्ट के आधार पर जांच

कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह और हेमंत कटारे की ओर से यह सवाल लगाया गया था। इसमें पूछा गया था कि आशुतोष मनु श्रीवास्तव की शिकायत पर क्या कार्यवाही की है? प्रश्नकाल के दौरान अवैध खनन से जुड़े कुल 4 सवाल लगाए गए थे। सूत्रों के मुताबिक जांच दल ने उपग्रह डेटा और भारतीय खनन ब्यूरो की रिपोर्टों के आधार पर स्वीकृत मात्रा से अधिक और अवैध खनन की शिकायत को सही पाया है।

भोपाल इंदौर के मास्टर प्लान पर उठे सवाल

मप्र के भोपाल और इंदौर, को महानगर बनाने के लिए विधानसभा ने महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास विधेयक 2025 बिल (मेट्रोपॉलिटन) सर्वसम्मति से पास कर दिया है। महानगर योजना समिति और महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन होकर काम शुरू हो सकेगा। लेकिन इस बिल पर सवाल उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि यह बिल तो ले आए, भोपाल और इंदौर का मास्टर प्लान कब लेकर जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस बिल में किसानों की जमीनें कौड़ियों के दाम पर अधिग्रहित की जाएंगी, उन्हें बाजार मूल्य दिया जाए। सिंघार ने कहा कि जनता की आपत्तियों को 30 दिन में निपटाने की समयावधि भी गलत है। इसे बढ़ाना चाहिए। इसके जवाब में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह बात सही है कि हमसे मास्टर प्लान लाने में देरी हुई है, लेकिन अब यह जल्दी आ जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बिल से मप्र का ही विकास नहीं होगा, किसान भी करोड़पति और अरबपति हो जाएंगे। विजयवर्गीय ने बताया कि देश में जहां भी मेट्रोपॉलिटन बने हैं, उनका हमने गहन अध्ययन किया और एक भी ऐसा नहीं, जिसकी अध्यक्षता सीएम करते हों। लेकिन हमारे यहां इसकी अध्यक्षता सीएम खुद करेंगे। उन्होंने बताया कि बिल आने के बाद शहरों में पार्क के भीतर 50त्न हिस्से में घने वन बनाने को अनिवार्य कर दिया जाएगा।

अब नहीं गुम होंगे दस्तावेज

हाउसिंग बोर्ड के 75 हजार आवंटियों को मिलेगी सुविधा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हाउसिंग बोर्ड के 75 हजार आवंटियों के 80 लाख प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट अब डिजिलॉकर पर भी उपलब्ध होंगे। डिजिटाइजेशन के तहत डेढ़ लाख आवंटियों के प्रॉपर्टी दस्तावेज और नस्तियों को स्कैन करने का काम चल रहा है। स्कैन किए 80 लाख दस्तावेजों को हाउसिंग बोर्ड ने डिजिलॉकर एप पर भी अपलोड कर दिया है। यानी किसी आवंटी को अपने डॉक्यूमेंट की जरूरत है या देखना है तो वह अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से लॉगिन करके अपने दस्तावेज डिजिलॉकर पर देख सकता है। डिजिलॉकर पर मप्र शासन के 101 तरह के दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध हैं।दस्तावेज स्कैन होने व डिजिलॉकर में होने से इनके चोरी होने, आग लगने या किसी प्रॉकृतिक आपदा में डॉक्यूमेंट गायब होने की समस्या खत्म हो जाएगी।

प्रॉकृतिक आपदा में भी डॉक्यूमेंट गायब होने की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी

किसी भी तरह की प्रॉपर्टी खरीदने वाले लोग अब बिना ऑफिस के चक्कर लगाए 30 -40 साल पुरानी प्रॉपर्टी के भी पेपर ऑनलाइन देख सकते हैं। बोर्ड अपने डेढ़ लाख से ज्यादा आवंटियों के लेजर (खाता) पहले ही आनलाइन कर चुका है। नामांतरण और हस्तांतरण जैसी प्रक्रिया में फाइल न मिलने जैसी समस्या दूर होगी, काम आसान होगा।

टाइम आफ डे के तहत 20 फीसद छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिल में एक करोड़ की रियायत मिली

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत, माह जुलाई में कुल 1,24,701 उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ प्रदान किया है, जिसकी कुल राशि 1करोड़, 09 लाख रूपए है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर ये छूट 50 रूपये से लेकर 12,160 रूपये तक भी दी गई है। कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई

ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही दी जा रही है।

स्मार्ट मीटर के फायदे. बिजली कंपनी का दावा है कि स्मार्ट मीटर ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और बचत में मदद करता है। खपत को सटीक मापता है। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत नियंत्रित कर सकते हैं। ऊर्जा खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है।

पेंशनधारियों को 31 अगस्त तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य, नहीं तो रुक जाएगी पेंशन

भोपाल। मध्यप्रदेश के पेंशनधारियों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। जहां सरकार की सभी पेंशन स्कीमों का लाभ लेने वाले 3.50 लाख पेंशनधारियों को 31 अगस्त तक जीवित प्रमाण पत्र के साथ ई-केवाईसी कराना होगा। वर्ना उनकी पेंशन होल्ड पर रख दी जाएगी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग ने सभी कलेक्टर, पंचायतों के सीईओ और नगर निगमों को निर्देश दिए हैं कि 31 अगस्त तक ई-केवाईसी पूरी करा ली जाए, वर्ना इसके बाद पेंशन पोर्टल पर पेंशनधारी का खाता लॉक कर दिया जाएगा। विभाग के द्वारा प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार अभी तक 3.5 लाख पेंशनधारियों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है। सभी पेंशनधारकों को डाटा ऑनलाइन सत्यापित किया जाना है। दरअसल, एनआईसी के द्वारा बनाए गए पोर्टल में पेंशनधारी यदि मृत हो गया, पलायन कर गया या अपात्र है तो पेंशन है। जिसके कारण कई पेंशनधारकों की पेंशन रूक गई थी।

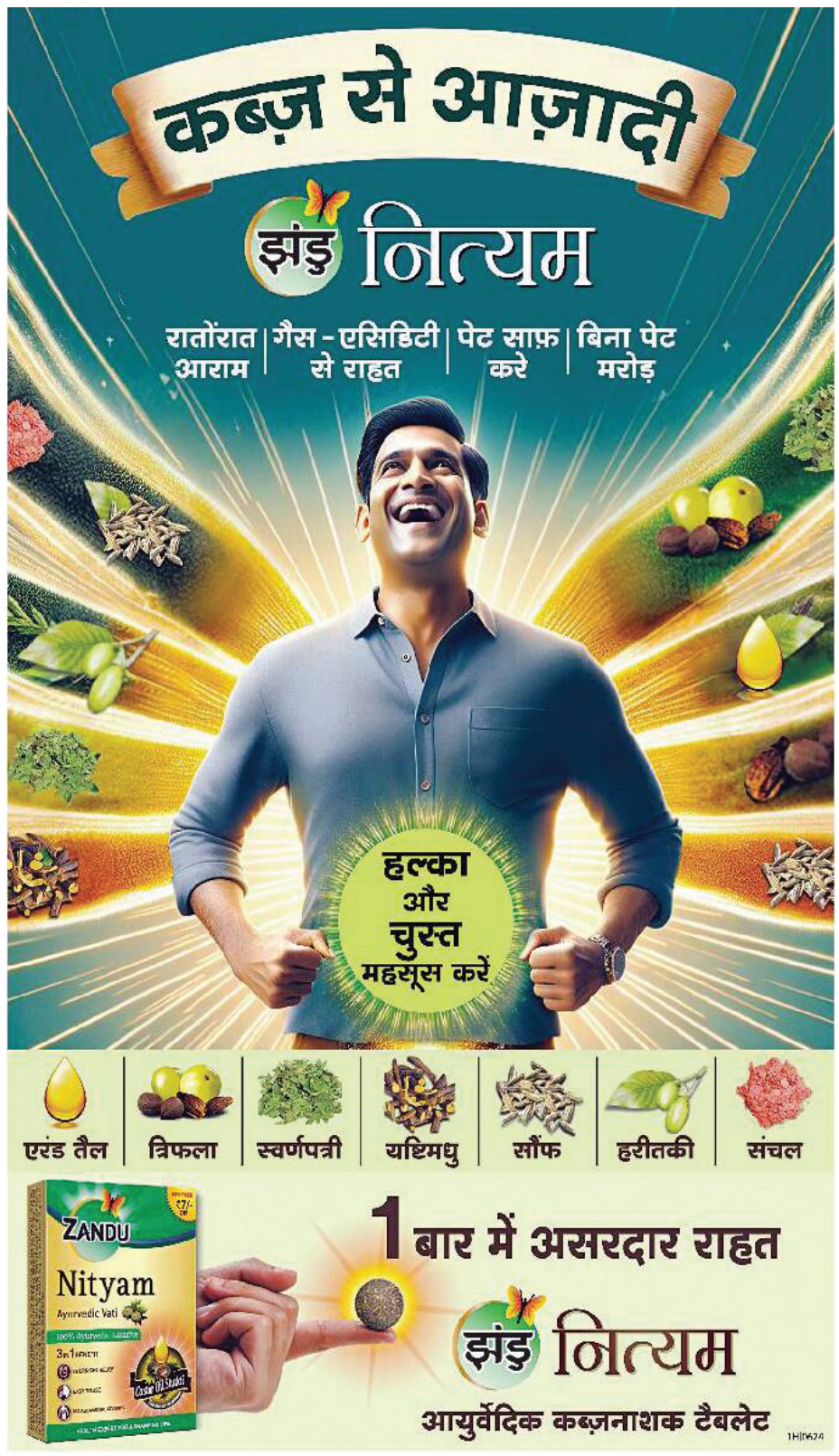

मेट्रो एंकर

ऊर्जा मंत्री तोमर ने दी बधाई

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी की यूनिट नंबर 10 ने लगातार 150 दिन तक किया विद्युत उत्पादन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 10 ने अभियंताओं व तकनीकी कर्मियों के असाधारण समर्पण व कड़ी मेहनत की बदौलत 150 दिन तक सतत् और निर्बाध विद्युत उत्पादन करने में सफलता हासिल की है। यह यूनिट इस वर्ष 5 मार्च से अभी तक लगातार विद्युत उत्पादन कर रही है। पिछले डेढ़ सौ दिनों में पावर जनरेटिंग कंपनी के अभियंताओं व तकनीकी कर्मियों ने टीम भावना और पेशेवर ढंग से कार्य करते हुए यूनिट नंबर 10 को श्रेष्ठतम शिखर तक पहुंचाया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सारनी की यूनिट नंबर 10 के अभियंताओं व तकनीकी कर्मियों को इस गौरवशाली उपलब्धि? पर बधाई दी।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 10 की कमीशनिंग 18 अगस्त 2013 को हुई थी। पिछले बारह वर्षों में इस यूनिट ने विद्युत उत्पादन और ऑपरेशन के नए कीर्तिमान रचे। यूनिट नंबर 10 ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 305 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया था, जिसे गत दिवस अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की यूनिट नंबर 5 ने पिछले दिनों तोड़ा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस यूनिट ने क्रमशः 170 व 235 दिनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाया था।

यूनिट ने अर्जित किया 98.35 फीसदी पीएएफ

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की यूनिट नंबर 10 ने जब 150 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन करने में सफलता हासिल की तब यूनिट का प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर (पीएएफ) 98.35 फीसदी, प्लांट लोड फेक्टर 84.71 फीसदी व ऑक्जलरी कंजम्पशन 8.86 प्रतिशत रहा।

संपादकीय

नया बाजार व जवाबी पलटवार

काफी लंबी चुप्पी या शायद असमंजस के बाद अब भारत की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ अटैक पर जवाबी वार शुरू हो गये हैं। भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने 1971 के अखबार की एक पुरानी क्लिप शेयर की है और सेना ने ट्रंप को आईना दिखाने की कोशिश भी की है। भारतीय सेना के पूर्वी कमान ने पांच अगस्त 1971 के अखबार की क्लिप सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि 1954 से लेकर 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई की है। इस रिपोर्ट में चीन की मदद का भी जिक्र कर बताया गया है कि बीजिंग की तरफ से भी युद्ध से पहले पाकिस्तान को मदद पहुंचाई गई थी। उस समय यह आर्टिकल तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री के राज्यसभा में दिए गए बयान के आधार पर प्रकाशित हुआ था। अमेरिका की ओर से भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा ने न केवल भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि इससे भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितताएं पैदा हो गई हैं। स्वाभाविक है कि इससे दोनों देशों को होने वाले नफा-नुकसान को लेकर विभिन्न स्तर पर आकलन भी शुरू हो गया है। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका के इस फैसले के पीछे भू-राजनीतिक परिदृश्य से भारत पर दबाव बनाने की रणनीति भी शामिल है, लेकिन इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इसका कुछ असर अमेरिका को खुद भी झेलना पड़ सकता है। अब सवाल यह है कि भारत इस स्थिति से किस तरह निपटेगा? भारतीय निर्यातकों की चिंता भी वाजिब है, क्योंकि अमेरिकी शुल्क से भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उनका कारोबार प्रभावित होगा। यही वजह है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ बैठक में निर्यातकों ने सरकार से वित्तीय सहायता और किफायती ऋण की मांग की है। बैठक में निर्यातकों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऋण पर ब्याज दरें आठ से बारह फीसद या उससे भी अधिक होती हैं। जबकि प्रतिस्पर्धी देशों में ब्याज दर बहुत कम है। जैसे, चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 फीसद, मलेशिया में तीन, थाईलैंड में दो और वियतनाम में 4.5 फीसद है। साथ ही कहा गया कि अमेरिकी खरीदारों ने मांग को रद्द करना या रोककर रखना शुरू कर दिया है। ऐसे में अगर आने वाले दिनों में भारत के निर्यात कारोबार में बड़े स्तर पर गिरावट आई तो इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम होने लगेंगे। यों सरकार ने अमेरिकी शुल्क से पैदा होने वाली संभावित दिक्कतों से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ निर्यातकों की बैठक इन्हीं तैयारियों का हिस्सा है। कहा जा रहा है कि सरकार ने निर्यातकों से सुझाव मांगे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार निर्यातकों को समर्थन देने के लिए राज्यों के साथ बातचीत करने पर भी विचार कर रही है। माना जा रहा है कि अमेरिकी शुल्क का ज्यादा असर वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, रसायन और विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर पड़ सकता है। भारत के चमड़ा और परिधान निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी तीस फीसद से अधिक है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर शुल्क की वजह से अमेरिका में भारतीय वस्तुओं की मांग घटती है, तो निर्यात कारोबारियों को ब्रिटेन और जापान जैसे नए बाजार तलाशने होंगे। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का मुक्त व्यापार समझौता फायदेमंद साबित हो सकता है।

अभिलाषा के पूर्ण होने को सुख कहते हैं; अभिलाषा के न पूर्ण होने को दुःख कहते हैं।
- भगवती चरण

आज का इतिहास

- 1821 - ब्रुसेल्स में 'कौरियर ऑफ पेज बास' अखबार का प्रथम संस्करण प्रकाशित।
- 1825 - बोलीविया ने पेरू से स्वतंत्रता हासिल की।
- 1862 - मद्रास हाई कोर्ट की स्थापना की गई।
- 1906 - प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी चित्तरंजन दास और अन्य नेताओं ने मिलकर वंदेमातरम समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया।
- 1914 - ऑस्ट्रिया ने रूस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1945 - अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर परमाणु बम गिराए।
- 1960 - क्यूबा ने देश की सम्पत्तियों का राष्ट्रीयकरण किया।
- 1962 - जमैका में यूनाइटेड किंगडम का सम्राज्य समाप्त हुआ और उसे स्वतंत्रता मिली।
- 1986 - भारत के प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी हर्षा का जन्म।
- 1996 - नासा ने मंगल पर जीवन होने की संभावना जताई।
- 2001 - भारत और ऑस्ट्रेलिया में आर्थिक समझौता हुआ।
- 2007 - मध्य त्रिनिदाद में एक पुराने हिन्दू मन्दिर को क्षतिग्रस्त किया गया।
- 2010 - जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से 255 लोग मारे गए।

निशाना

जनजीवन अस्त-व्यस्त

-कृष्णेन्द्र राय

बाढ़ और बारिश ने ।
है कहर बरपाया ।।
जनजीवन अस्त-व्यस्त ।
छिन रहा है साया ।।
धर लिया है प्रकृति ने ।
रूप बड़ा विकराल ।।
फट रहे भी बादल ।
बन रहे अब काल ।।
मंजर है भयावह ।
हर तरफ तबाही ।।
दृश्य है जो सामने ।
दे रहे गवाही ।।
राहत और बचाव पर ।
होगा देना जोर ।।
चले काम ज्यादा ।
कम मचे पर शोर ।।

अब पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

■ नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही 'रणनीतिक स्वायत्तता' है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। 'माई फ्रेंड डोनाल्ड' जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है– जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग। इसके अलावा, 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी– जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा। जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाज़ी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है। वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है।

बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आरएसएस, मुसलमान और राष्ट्रीय एकता: संवाद और विश्वास का सफर

■ प्रो. (डॉ.) जसीम मोहम्मद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत के सबसे पुराना और सबसे बड़ा सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों में से एक है। संघ की स्थापना 1925 में एक मज़बूत और अखंड भारत के निर्माण के लक्ष्य के साथ हुई थी। शुरू से ही, आरएसएस का मानना रहा है कि भारत एक देश है और यहाँ रहने वाले सभी लोग–चाहे वे किसी भी धर्म को मानते हों–एक परिवार का हिस्सा हैं। आरएसएस अपने सदस्यों को देश से प्रेम करना, दूसरों की मदद करना और एकता के लिए काम करना सिखाता है। इसके लाखों स्वयंसेवक (जिन्हें स्वयंसेवक कहा जाता है) हैं जो रोज़ सुबह जल्दी उठते हैं, दैनिक प्रशिक्षण सत्रों (शाखाओं) में भाग लेते हैं और समाज की सेवा करते हैं। इन स्वयंसेवकों को अनुशासन, शारीरिक स्वास्थ्य, देशभक्ति और सामाजिक ज़िम्मेदारी सिखाई जाती है।कुछ लोग सोचते हैं कि आरएसएस केवल हिंदुओं के लिए काम करता है, लेकिन यह सच नहीं है। आरएसएस ÷भारतीयता÷ में विश्वास करता है, जिसका अर्थ है भारतीय संस्कृति। आरएसएस के अनुसार, भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों के लोग शामिल हैं- हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, और अन्य। भारत से प्रेम करने वाला हर व्यक्ति इस संस्कृति का हिस्सा है। वर्षों से, कई लोगों ने गलत सूचनाओं या राजनीतिक कारणों से आरएसएस को गलत समझा है।

आरएसएस ने विभिन्न समुदायों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों से सीधे संवाद करने के कई नए प्रयास शुरू किए हैं। ये प्रयास संवाद, समझ और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। सितंबर 2019 में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक प्रतिष्ठित मुस्लिम विद्वान मौलाना अरशद मदनी से भेंट की। उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे दोनों समुदायों - हिंदू और मुस्लिम - को भारत को एकजुट और शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। वे इस बात पर सहमत हुए कि दोनों समुदायों ने देश के लिए योगदान दिया है, और अब उन्हें इसके भविष्य की रक्षा के लिए एक साथ आना चाहिए। यह बैठक ऐतिहासिक थी क्योंकि इसने दिखाया कि आरएसएस खुलकर बात करने, गलतफहमियों को दूर करने और विश्वास बनाने के लिए तैयार है। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि हिंसा, अभद्र भाषा और सांप्रदायिक झगड़े सभी समुदायों के लिए हानिकारक हैं। सितंबर 2022 में, संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने कुछ बेहद खास किया। आरएसएस के इतिहास में पहली बार, उन्होंने दिल्ली में एक मस्जिद और एक मदरसे का दौरा किया। यह दौरा अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी के निमंत्रण पर हुआ था। भागवत ने मदरसे के छात्रों के साथ बैठकर, इमामों से बातचीत की और शांति व एकता का संदेश दिया। इस दौरान, भागवत ने कहा कि सभी भारतीय, चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान, भाई-भाई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और हर धर्म शांति और दूसरों के प्रति सम्मान सिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि असली भारतीय संस्कृति हमें आपस में लड़ना नहीं, बल्कि साथ रहना सिखाती है।

इस मस्जिद दौरे के बाद, मोहन भागवत ने पांच जाने-माने मुस्लिम बुद्धिजीवियों–एस.वाई. कुरैशी (पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त), नजीब जंग (दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल), ज़मीर उद्दीन शाह (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति), पत्रकार शाहिद सिद्दीकी और सईद शेरवानी के साथ एक विशेष बैठक भी की। इन नेताओं ने भागवत के साथ एक सम्मानजनक और सार्थक बातचीत की। उन्होंने समाज में व्याप्त बुराइयों, अभद्र भाषा, अल्पसंख्यकों में भय और सोशल मीडिया पर झूठी खबरों पर चर्चा की। भागवत ने धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी और कहा कि इन सभी समस्याओं का समाधान सत्य, सम्मान और संवाद से होना चाहिए। जनवरी 2023 में, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग के घर पर एक और महत्वपूर्ण बैठक हुई। डॉक्टर कृष्णजी गोपाल, श्री जी और डॉक्टर इंद्रेश कुमार जी

जैसे वरिष्ठ आरएसएस विचारक इस बैठक में शामिल हुए। उन्होंने मुस्लिम विद्वानों और नेताओं के साथ बैठकर इस बात पर चर्चा की कि नफ़रत को कैसे रोका जाए, बेहतर समझ कैसे पैदा की जाए और समुदायों के बीच विश्वास कैसे बनाया जाए। आरएसएस नेताओं ने स्पष्ट किया कि संघ किसी भी धर्म के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का असली लक्ष्य सभी भारतीयों को एकजुट करना है, न कि उन्हें विभाजित करना। उन्होंने कहा कि लोगों का मूल्यांकन उनके चरित्र से होना चाहिए, न कि उनके धर्म से। जुलाई 2025 में, आरएसएस ने एक और बड़ा कदम उठाया। दिल्ली के हरियाणा भवन में एक बैठक में 60 से अधिक मुस्लिम धर्मगुरुओं, मौलवियों और विद्वानों को आमंत्रित किया गया था। यह बैठक भी अखिल भारतीय इमाम संगठन द्वारा आयोजित की गई थी।

संघ को मोहनजी भागवत और आरएसएस के अन्य वरिष्ठ सदस्य इसमें शामिल हुए। इस बैठक में संघ प्रमुख भागवत ने एक स्पष्ट और सकारात्मक संदेश दिया। उन्होंने कहा-'हमें समाज में सद्भावना की आवश्यकता है। कोई भी मंदिर या मस्जिद अकेले भारत की रक्षा नहीं कर सकते। समुदायों के बीच एकता और भाईचारा ही ऐसा कर सकता है।' संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने कुछ बहुत ही व्यावहारिक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि पुजारियों (मंदिरों के पुजारियों) और इमामों (मस्जिद के प्रमुख) को एक-दूसरे के यहाँ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुकुलों और मदरसों के छात्रों को एक साथ बैठकर एक-दूसरे से सीखना चाहिए।

ये कदम दोनों समुदायों के बीच भय को दूर करने और वास्तविक समझ बनाने में मदद करेंगे। आरएसएस ने यह भी सुझाव दिया कि दोनों समुदायों को संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान और शैक्षिक सेमिनार आयोजित करने चाहिए। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो वे एक-दूसरे को दुश्मन नहीं, बल्कि दोस्त मानते हैं। इन सभी बैठकों में एक बात बिल्कुल स्पष्ट थी: आरएसएस एकता चाहता है, विभाजन नहीं। उसका मानना है कि अगर भारतीय आपस में लड़ते रहेंगे, तो विदेशी ताकतें और राष्ट्र-विरोधी तत्व इसका फायदा उठाएंगे। एक मजबूत, एकजुट भारत ही एक विकसित और शांतिपूर्ण राष्ट्र बन सकता है। भागवत ने कई बार हिंसा और नफरत के खिलाफ भी बात की है। उन्होंने कहा कि 'जो लोग धर्म के नाम पर लोगों की हत्या करते हैं, वे हिंदू धर्म का पालन नहीं कर रहे हैं।' उनका मानना है कि सच्चा धर्म प्रेम, क्षमा, सेवा और सत्य है। आरएसएस यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रहा है कि सभी धर्मों के लोग सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। इसके स्वयंसेवकों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की मदद करने, राहत कार्य आयोजित करने, गरीब बच्चों को पढ़ाने और बुजुर्गों की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है–बिना किसी से उनके धर्म के बारे में पूछे।

कुछ लोग अभी भी आरएसएस को नकारात्मक रूप में चित्रित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन सच्चाई अब और स्पष्ट होती जा रही है। कई मुस्लिम नेता, जो कभी आरएसएस से दूर रहते थे, अब खुलकर इन संवाद सत्रों में शामिल हो रहे हैं और संघ के परिपक्व और शांत दृष्टिकोण की सराहना कर रहे हैं। आरएसएस अल्पकालिक लोकप्रियता में विश्वास नहीं करता। यह दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण में विश्वास करता है। इसका लक्ष्य 'राष्ट्र निर्माण' है - एक ऐसा सशक्त भारत बनाना जहां सभी धर्मों के लोग सम्मान के साथ रहें, कानून का पालन करें और देश की प्रगति के लिए काम करें। 'हिंदू राष्ट्र' वाक्यांश को अकसर गलत समझा जाता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इसका अर्थ केवल हिंदुओं का देश नहीं है। इसका अर्थ है भारतीय संस्कृति पर आधारित एक ऐसा देश जहां सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है। आप मुस्लिम, ईसाई, सिख या कुछ भी हों, और फिर भी इस सांस्कृतिक राष्ट्र का हिस्सा हो सकते हैं। आज, अधिक से अधिक लोग इस बदलाव को देख रहे हैं। वे देख रहे हैं कि आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि केवल उन लोगों के खिलाफ है जो भारत को विभाजित करने की कोशिश करते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता है कि मुसलमान भी आत्मविश्वासी, शिक्षित और गौरवान्वित भारतीय बनें- बिल्कुल किसी भी अन्य नागरिक की तरह। भागवत का नेतृत्व बुद्धिमत्ता और जिम्मेदारी दर्शाता है। वह ध्यान से सुनते हैं, स्पष्ट बोलते हैं और मानते हैं कि समस्याओं का समाधान राजनीति से नहीं, बल्कि सत्य से होता है। अतीत के दर्द और वर्तमान के डर को दूर करने में समय लगता है। लेकिन निरंतर संवाद, खुले दिल और राष्ट्रीय भावना के साथ, संघ यह साबित कर रहा है कि शांति और एकता संभव है। आरएसएस आज भारत के इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहा है- विश्वास, समझ और एकजुटता का एक नया अध्याय। इसका कार्य दर्शाता है कि भारत का भविष्य तभी सुरक्षित और मजबूत होगा जब हर समुदाय सम्मान, राष्ट्रीयता और भागीदारी महसूस करेगा। आरएसएस एकता का प्रतीक है - आरएसएस सेवा का प्रतीक है। आरएसएस एक मजबूत और एकजुट भारत का प्रतीक है। और इसके लिए, यह संवाद, सम्मान और राष्ट्र-प्रथम की सोच के मार्ग पर चलता रहेगा।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

प्रदेश में रक्षाबंधन तक साफ रहेगा मौसम, तेज बारिश के आसार नहीं

दोपहर मेट्रो नेटवर्क

प्रदेश में बीते कुछ दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी था। इस बार जुलाई महीने में मानसून खूब बरसा। जिसकी वजह से कई जगह बाढ़ जैसे हालात हो गए थे। लेकिन अब प्रदेशवासियों के लिए राहत की खबर है। अगले 4 दिन तक स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी नहीं है। ऐसे में रक्षाबंधन पर भी मौसम साफ रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि इंदौर, उज्जैन समेत सभी जिलों में तीखी धूप खिली रहेगी।

मौसम विभाग ने बताया कि इस बार अब तक अच्छी बारिश हो चुकी है। पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में औसत से 48 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से यानी इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में 39 प्रतिशत बारिश अधिक हुई है। 9 अगस्त तक प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। इसकी वजह स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी नहीं है। उत्तरी हिस्से में जरूर हल्की बारिश हो सकती है। बारिश थमने से गर्मी का असर बढ़ेगा। ज्यादातर शहरों में पारा 35 डिग्री के पार रहेगा। प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में 28.7 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 44 प्रतिशत पानी ज्यादा गिर चुका है। वहीं, कोटे की 77 प्रतिशत है। पूर्वी हिस्से में बादल जमकर बरसे हैं। अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। ऐसे में बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा। हालांकि, अब तक ग्वालियर समेत 9 जिलों में कोटा पूरा हो चुका है, लेकिन इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों की तस्वीर बेहतर नहीं है।

सबसे ज्यादा पानी गुना में, 45.8 इंच बारिश

पिछले सप्ताह प्रदेश में बाढ़ के हालात बने थे। खासकर पूर्वी हिस्से यानी- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में मानसून जमकर मेहरबान रहा। इस बार सबसे ज्यादा पानी गुना में गिरा है। यहां 45.8 इंच बारिश हो चुकी है। निवाड़ी में 45.1 इंच, मंडला-टीकमगढ़ में 44 इंच और अशोकनगर में 42 इंच के करीब बारिश हो चुकी है। विदिशा, जबलपुर, नरसिंहपुर, बालाघाट, डिंडौरी, सागर, पन्ना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, नर्मदापुरम और उमरिया में 30 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। इंदौर में सबसे कम 11 इंच, बुरहानपुर में 11.1 इंच, बड़वानी में 11.5 इंच, खरगोन में 11.8 इंच और खंडवा में 12.8 इंच पानी ही गिरा है।

विकास के नाम पर आज भी ग्राम पंचायत की श्रेणी में ही सिमटा कस्बा

तहसील मुख्यालय होकर भी उपेक्षित है गौहरगंज, वर्षों से अधूरा पड़ा है नगर पंचायत दर्जा मिलने का सपना

अमित श्रीवास्तव ।गौहरगंज

भले ही गोहरगंज तहसील मुख्यालय हो, जहां एसडीएम कार्यालय, पुलिस थाना, तहसीलदार कार्यालय और एडीजे कोर्ट जैसी प्रमुख संस्थाएं संचालित होती हैं, लेकिन विकास के नाम पर यह क्षेत्र आज भी ग्राम पंचायत की श्रेणी में ही सिमटा हुआ है। तहसील केंद्र होने के बावजूद गौहरगंज में गंदगी का अंबार है और सफाई व्यवस्था बदहाल स्थिति में है। वर्तमान में ग्राम पंचायत गौहरगंज सीमित संसाधनों और कर्मचारियों के भरोसे काम कर रही है। नतीजा यह है कि बढ़ती आबादी के बीच कचरे के ढेर और खुले नाले आम बात हो गए हैं। न नियमित सफाई है, न कचरा निपटान की कोई व्यवस्थित योजना। इससे स्थानीय नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गौहरगंज की जनसंख्या और सरकारी संस्थाओं की उपस्थिति को देखते हुए इसे नगर पंचायत का दर्जा मिलना चाहिए था। आश्चर्य की बात यह है कि वर्ष 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी सभा में गौहरगंज को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद 2018 में फिर से यही घोषणा दोहराई गई, लेकिन आज तक वह घोषणा सिर्फ कागज़ों में ही सीमित है।ग्राम पंचायत के पास न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न ही पर्याप्त बजट। सीमित संसाधनों से साफ-सफाई जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन होता जा रहा है। दूसरी ओर, बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण की प्रक्रिया ने गौहरगंज को अब एक कस्बे की शक्ल दे दी है, लेकिन प्रशासन की उपेक्षा अब भी जस की तस बनी हुई है।

वर्षों से कर रहे मांग

स्थानीय लोग सालों से गौहरगंज को नगर पंचायत बनाने की गुहार शासन से लगा रहे हैं। स्थानीय विधायक से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक गौहरगंज की बात यहां के लोग पहुंचा चुके हैं। लेकिन इनकी व्यथा को समझने के लिए शायद शासन में संवेदनशीलता नहीं बची है। आज जिस लोकसभा क्षेत्र से शिवराज सिंह चौहान सांसद हैं कभी उस लोकसभा क्षेत्र से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भी सांसद रह चुकी हैं। गौहरगंज विदिशा लोकसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण तहसील है इसके बावजूद आज तक गौहरगंज को ग्राम पंचायत से नगर पंचायत का दर्जा नहीं मिल पाया है। उपेक्षा की शिकार यह तहसील समय-समय पर अपनी आवाज बुलंद तो करती है लेकिन पता नहीं शासन में बैठे लोगों के कानों तक यह आवाज क्यों नहीं पहुंच पा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौहरगंज को जल्द से जल्द नगर पंचायत का दर्जा दिया जाए, ताकि यहां स्वच्छता, जल व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं को सुव्यवस्थित किया जा सके।

> सीमित संसाधनों में गौहरगंज जैसे बड़े कस्बे की सफाई और सुविधाएं देना संभव नहीं। मात्र दो सफाईकर्मी हैं, अधिक नियुक्ति का वेतन संभव नहीं। समय पर कर संग्रह भी नहीं हो पाता। नगर पंचायत का दर्जा मिलना बेहद जरूरी है।
>
> **विनोद पटेल** ग्राम पंचायत सचिव गौहरगंज

आईजी और एसपी ने किया शिवपुर थाने का निरीक्षण

सिवनी मालवा। अनुविभाग के थाना शिवपुर में पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम रेंज मिथिलेश कुमार शुक्ला तथा पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम गुरकरण सिंह द्वारा थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने थाने की व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड संधारण, सुरक्षा व्यवस्था एवं जन शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आईजी व एसपी ने थाने में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली और थाना परिसर की साफ-सफाई, हथियारों की स्थिति, मालखाना, हाजत, सीसीटीवी कैमरे, रिकॉर्ड रजिस्टर, एफआईआर पंजीयन आदि का गहन अवलोकन किया। वही सभी सुचारू मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की। प्रक्रियाओं में निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि थाना स्तर पर कार्यवाही पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ की जाए। जनसुनवाई के मामलों को गंभीरता से लेकर उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई में नवाचार, लोगों को मिल रहा चिकित्सा का भी लाभ

गुना। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक जनसुनवाई है । जिसमें आवेदक अपनी परेशानी और अटके हुए मामलों को लेकर प्रशासन की चौखट पर पहुंचते हैं । जिसका निराकरण कलेक्टर के निर्देश पर किया जाता है। जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट में लगाए जा रहे स्वास्थ्य जांच शिविर और आधार हेल्प डेस्क से यहां आने वाले आवेदकों को फायदा हुआ है। जनसुनवाई में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के नवाचार के चलते यहां स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाता है ।इसके साथ ही आधार हेल्प भी बनाया गया है ,ताकि यहां आने वाले लोगों को स्वास्थ्य जांच के साथ ही अन्य जानकारियां मिल सकें। इसमें यहां आने वाले आवेदकों में अब तक 20 हजार से ज्यादा लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेते हुए अपनी जांच कराई है, और स्वास्थ्य के प्रति सचेत हुए हैं । इस स्वास्थ्य शिविर में बीपी जांच ,नेत्र जांच, शुगर जांच के साथ अन्य जानकारियां दी जाती हैं।

कुबेरेश्वरधाम: हाईवे पर पैर रखने की जगह नहीं, धाम खचाखच भरा

सीहोर। कुबेरेश्वर धाम की कांवड़ यात्रा में शामिल होने श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे धाम अंदर से पूरी तरह भर चुका है। अब भीड़ लगातार धाम के बाहर भोपाल-इंदौर हाइवे पर बढ़ रही है। हालात ये हैं कि हाईवे पर भी इतनी भीड़ है कि, यहां पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश के सबसे व्यस्सतम हाईवे से गुजरने वाले वाहनों की क्या स्थिति होगी।

चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से की जा रही खाद्य पदार्थों की जांच

नर्मदापुरम। जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इसी कड़ी में सोहागपुर में चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से विभिन्न चाट, फुल्की और मिष्ठान भंडारों की जांच की गई। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से नमूनों की मौके पर जांच की गई और साफ-सफाई संबंधी निर्देश दिए गए।

मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा द्वारा उक्त चलित खाद्य प्रयोगशाला के साथ कमानी गेट स्थित विभिन्न स्वीट्स सपना स्वीट्स, अंजली स्वीट्स, दुबे स्वीट्स एवं श्री बीकानेर स्वीट्स से मिठाइयों के नमूने लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से जनजागरूकता भी फैलाई जा रही है, ताकि लोग खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के प्रति जागरूक हो सकें।

नजूल प्रकरणों के निराकरण में लाएं अपेक्षित प्रगति: कलेक्टर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले में लंबित नजूल प्रकरणों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नजूल पट्टों के नवीनीकरण एवं प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित गति लाई जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो नजूल पट्टे नवीनीकरण योग्य हैं, उन्हें शीघ्र ही आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कराया जाए। उन्होंने समस्त

अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरआई एवं पटवारी द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे करवाकर पात्र पट्टाधारियों को नवीनीकरण प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया जाए। पूर्व से दर्ज नजूल प्रकरणों को शीघ्र ही अपर कलेक्टर एवं नजूल अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ताकि उनका समयबद्ध निराकरण करें। कम्पर्वे के दौरान यदि कोई पट्टाधारी मृत हो चुका हो या स्थानांतरित हो चुका है, तो उसकी जानकारी अद्यतन की जाए। उक्त कार्य को संबंधित अधिकारी पूरी सजगता से कार्य करें। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि आगामी एक दिवस के भीतर सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने अनुविभाग के शेष बचे हुए नजूल पट्टों की अद्यतन जानकारी लिखित में जिला कार्यालय को प्रस्तुत करें।

बीईओ के वेतन काटने के निर्देश

बैतूल। शासकीय कार्य में ही लापरवाली के चलते कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने शिक्षा विभाग में निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, निशुल्क साइकिल वितरण तथा 9वीं, 10वीं तथा 12वीं के विद्यार्थियों के नामांकन प्रगति की ब्लॉकवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कम प्रगति मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी बीईओ का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि जिले में निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, नामांकन तथा साइकिल वितरण की प्रगति का सतत निरीक्षण करें। जाति प्रमाण पत्र वितरण किए जाने की भी विस्तृत समीक्षा कर सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि बीईओ के माध्यम से विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त कर जाति प्रमाण पत्र बनाए जाएं।

जे.पी. यूनीवर्सिटी कैम्पस में हुई चोरी के 11 लाख के जेवर बरामद

गुना। राघौगढ़ स्थित जेपी यूनिवर्सिटी कैंपस के बंगलों को निशाना बनाने वाले चोर पुलिस ने पकड़ लिए हैं। बता दें कि 24 जून को जे.पी. यूनीवर्सिटी के सुरक्षा अधिकारी मनवहादुर सिंह ने राघौगढ़ थाने पर रिपोर्ट कर बताया था कि 23-24 जून की मध्य रात में जे.पी. यूनीर्सिटी कैम्पस में निवास करने वाले शेखर सिंह, डॉ. बलीराम गुप्ता, डॉ. अमित राठी, सुभाष दास और गुगादास , जो अपने परिवार सहित बाहर गये हुए हैं, उनके घरों से किसी अज्ञात व्यक्ति ने ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, नगदी व अन्य सामान की चोरी की है । जिस पर एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के नेतृत्व में राघौगढ़ थाना प्रभारी जुबेर खांन सहित एक विशेष टीम गठित की गई। उक्त टीम ने छह बदमाशों को डकैती कि योजना बनाते हुए पकड़ा। लगातार पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपने साथी रमन कंजर के साथ मिलकर जे.पी. यूनीवर्सिटी कैंपस के पांच घरों से चोरी करना बताया।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने के लिए प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रायसेन। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल, जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) द्वारा गौहरगंज तहसील कार्यालय परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, जिसमें भारत में जल्द से जल्द जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने और लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन में देशभर में हिंदू समाज पर हो रहे हमलों, धार्मिक स्थलों की अवमानना, लव जिहाद, धर्मांतरण, और बढ़ती जनसंख्या जैसे मुद्दों का हवाला देते हुए चिंता जताई गई है। साथ ही कहा गया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में हिंदुओं की धार्मिक स्वतंत्रता और सुरक्षा पर निरंतर खतरा मंडरा रहा है। ज्ञापन में भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने, जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने, लव जिहाद और धर्मांतरण पर सख्त प्रतिबंध लगे, हिंदू मंदिरों का सरकारी अधिग्रहण बंद करने, पंथनिरपेक्ष शिक्षा व्यवस्था लागू करने व अन्य मांग शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील है कि जल्दी से जल्दी जनसंख्या नियंत्रण लागू कर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और बढ़ती जनसंख्या असंतुलन को रोकने का काम करें ।

मेट्रो एंकर पीड़िता ने थाने में की शिकायत: बैंक मैनेजर ने नहीं सुनी फरियाद, किया अभद्र व्यवहार

बिना सूचना के बैंक ने नीलाम किया युवती का सोना, वापस दिलाने की मांग

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

ग्राम बिसोनी कला की रहने वाली करिश्मा लोवंशी पति जितेन्द्र लोवंशी ने आईसीआईसीआई बैंक, शाखा सिवनी मालवा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए सिवनी मालवा थाने में शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक द्वारा उनकी जानकारी और सहमति के बिना उनकी गिरवी रखी गई सोने की ज्वेलरी नीलाम कर दी गई।

पीड़िता करिश्मा लोवंशी ने बताया कि उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक से गोल्ड लोन लिया था, जिसमें उन्होंने 2

जोड़ी पांचाली कुल 11 ग्राम सोना गिरवी रखा था। लोन की अवधि और स्थिति को लेकर उन्हें कोई स्पष्ट सूचना नहीं दी गई, और न ही कोई अंतिम नोटिस या चेतावनी पत्र भेजा गया। इसके बावजूद, 29 जुलाई 2025 को बैंक द्वारा उनके सोने की नीलामी कर दी गई। करिश्मा ने आगे बताया कि जब उन्हें इस नीलामी की जानकारी मिली, तो वे तुरंत बैंक पहुँचीं और वहाँ उपस्थित बैंक प्रबंधक से इस विषय में चर्चा करना चाहा। लेकिन उनके अनुसार, बैंक मैनेजर ने न केवल उनकी बात को अनसुना किया, बल्कि उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। पीड़िता ने थाना सिवनी मालवा में शिकायत दर्ज कराते हुए मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और उनके सोने की नीलामी में हुई अनियमितताओं के लिए संबंधित बैंक अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जाए। सिवनी मालवा थाना पुलिस ने करिश्मा लोवंशी का शिकायती आवेदन प्राप्त कर लिया है और मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। थाना प्रभारी राजेश दुबे ने बताया की एक युवती ने बैंक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की जायेगी। पूरे मामले में सिवनी मालवा के शाखा प्रबंधक से बात करने का प्रयास किया गया परन्तु उन्होंने फ़ोन ही नहीं उठाया।

अधिक फीस और तय दुकानों से सामान खरीदना अभिभावकों की मजबूरी

नहीं रुक पा रही निजी स्कूलों की मनमानी कोर्ट में याचिका, कलेक्टर को किया तलब

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के प्राइवेट स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी को लेकर स्थाई लोक अदालत में एक याचिका लगाई गई है। है। इसमें स्कूलों द्वारा की जा रही अधिक फीस वसूली और तय दुकानों से सामान खरीदने की मजबूरी बताई गई है। स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष एवं प्रथम जिला सत्र न्यायाधीश शहाबुद्दीन हाश्मी के समक्ष सुनवाई हुई। प्रकरण में याचिकाकर्ता अधिवक्ता डॉ धरणेन्द जैन,डॉ अंकलेश्वर दुबे, रामदास राज,वीरेंद्र सिंह राजपूत, दिनेश चिरवरीया,अरविंद रवि जैन, केके प्रजापति, लवलेश श्रीवास्तव,अदिति तिवारी सहित साथी अधिवक्ताओं ने अपना पक्ष रखा। मामले में पैरवी कर रहे वकीलों ने बताया कि अनावेदक कमांक 2 जिला कलेक्टर सागर उपस्थित नहीं हुए न ही उनकी ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित हुआ। जिसके चलते मप्र प्राइवेट स्कूल अधिनियम के

नियमों के क्रियान्वयन के लिए उठाए गए कदम और की गयी कार्यवाही से संबंधित कोई भी रिकार्ड कोर्ट के सामने नहीं आ पाया। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया और सागर कलेक्टर को 8 अगस्त को सुनवाई में स्वयं रिकार्ड सहित उपस्थित होने पत्र जारी किया है। प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित हुए और प्रतिवेदन के लिए समय माँगा। याचिकाकर्ता अधिवक्ता डॉ धरणेन्द जैन ने अदालत को बताया कि मप्र प्राइवेट स्कूल अधिनियम के नियमों के अनुसार फीस तथा अन्य संबंधित विषयों के विनियमन के लिए अधिनियम की धारा 7 में जिला समिति के गठन का प्रावधान है। इस समिति का अध्यक्ष जिला कलेक्टर एवं सचिव जिला शिक्षा अधिकारी को बनाया गया है, इसलिए उक्त प्रकरण में सागर कलेक्टर तथा सागर जिला शिक्षा अधिकारी को पक्षकार बनाया गया है। इसके अलावा सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों का संचालन सीबीएसई द्वारा बनाए गए नियमों समय समय पर जारी परिपत्रों के अनुसार हो इसकी जिम्मेदारी सीबीएसई की भी बनती है इसलिए सीबीएसई के सचिव को भी पक्षकार बनाया गया है।

मानसिक शोषण, लेकिन सक्षम अधिकारी कार्रवाई से बच रहे

अधिवक्ता जैन के अनुसार जिला समिति अधिनियम की धारा 7 उपधारा 9 (1) के अनुसार स्वयं प्रेरणा से संज्ञान लेकर जांच कर सकती है, तलाशी ले सकती है,दस्तावेज जप्त कर सकती है। अधिनियम में समिति को सिविल न्यायालय की शक्तियां दी गयी हैं। साथ ही समिति को जुर्माना अधिरोपित करने, दोषी स्कूलों की मान्यता रद्द एवं निलंबित करने की भी अधिकार दिए गए हैं। डॉ जैन ने फीस तथा कापी किताब, ड्रेस सहित अन्य साम्रगी से संबंधित प्रावधानों को अदालत के समक्ष रखा। जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे ने अदालत के समक्ष बताया कि किस प्रकार संगठित रूप से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का कुछ निजी स्कूलों द्वारा आर्थिक एवं मानसिक शोषण हो रहा लेकिन सक्षम अधिकारी कार्यवाहियों से बच रहे है।उन्होंने न्यायालय को बताया कि जिला समिति के अध्यक्ष कलेक्टर सागर को न्यायालय में तलब किया जाए ।

छात्राओं से छेड़खानी करने पर मनचलों को महिलाओं ने सड़क पर चप्पलों से पीटा

छिंदवाड़ा। हाईस्कूल की छात्राओं से छेड़छाड़ करना चार युवकों को भारी पड़ गया। इसके बाद माहौल गर्मा गया और एक महिला ने मनचलों की चप्पल से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो वायरल हुआ। हालांकि पूरा मामला स्कूल की छुट्टी के बाद का है। दरअसल, स्कूल से छुट्टी होंने के बाद छात्राएं अपने घर लौट रही थी। तभी बोलेरो सवार युवकों ने रास्ते में रोककर स्प्रे फेंका। साथ ही अशोभनीय हरकतें शुरू कर दीं। घटना उस समय उलटी पड़ गई जब आसपास की ग्रामीण

महिलाएं मौके पर पहुंचीं। उन्होंने चारों युवकों की चप्पलों से जमकर धुलाई कर दी। जानकारी के अनुसार, पौनार गांव की छात्राएं स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रही थीं। जैसे ही वे सांवरी बस्ती के पास पहुंचीं, बोलेरो सवार चार युवक वहां आए और कार से उतरकर स्नो स्प्रे डालते हुए छात्राओं से छेड़छाड़ करने लगे। युवकों की हरकतें बढ़ती देख आस-पास की महिलाओं ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बिना देर किए डंडे-चप्पलों से युवकों की जमकर पिटाई कर दी।

टीकमगढ़ के कुंडेश्वर मंदिर में दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट, वीडियो वायरल

टीकमगढ़। जिले के अंतर्गत आने वाले शिव धाम कुंडेश्वर मंदिर परिसर में दो पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चलने का मामला सामने आया है। घटना में एक युवक को करीब 6 से 8 लड़कों ने जमकर पीटा है। जिसका वीडियो भी वायरल हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो मंगलवार को सामने आया है। जिसके बाद पुलिस भी मामले को लेकर एक्टिव हो गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक साथ लगभग 6-7 युवक एक व्यक्ति को घेरकर बुरी तरह मार रहे हैं। पहले उस युवक ने भी लड़कों के साथ मारपीट की। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुंडेश्वर मंदिर परिसर की है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस भी इस मामले को गंभीरता से देख रही है। वहीं, कोतवाली पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अब तक ये पता नहीं चल सका है कि, आखिर विवाद का कारण क्या था। पुलिस इस मामले में सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

ग्वालियर में एक रेत कारोबारी को किडनैप कर पांच लाख रुपए हड़पे

ग्वालियर। शहर में एक कारोबारी को किडनैप किए जाने का मामला सामने आया है। कारोबारी को तीन युवतियों समेत 5 लोगों ने उसकी ही कार में किडनैप किया और हाईवे पर करीब 4 घंटे तक कार में ही घुमाते रहे। आरोपी युवती ने कारोबारी को धमकी दी कि अगर उसने 5 लाख रूपये नहीं दिए तो वो उसे झूठे रेप केस में फंसा देगी। कारोबारी ने सूझबूझ दिखाई और अपनी समझदारी से आरोपियों के चंगुल से बचा लेकिन आरोपी 60 हजार रूपये ले गए। शहर के महाराजपुरा में रहने वाले रेत कारोबारी विवेक शर्मा को ब्लैकमेलर्स की गैंग ने उनकी ही कार में बंधक बनाकर लूट लिया। आरोपियों के चंगुल से छूटने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए कारोबारी ने बताया कि वह रात में कार से लौट रहा था तभी सोनू का फोन आया कि रास्ते में उनकी परिचित खड़ी है, छोड़ देना। इंद्रप्रस्थ गार्डन के पास से एक युवती और गोर्वधन कॉलोनी से दो युवतियों को गाड़ी में बैठाया। उनके साथ दो युवक भी थे। इनमें से एक युवती ने रेप के आरोप की धमकी देकर 5 लाख रुपए की मांग की। बड़ागांव के पास सोनू गुर्जर भी मिल गया। आरोपियों ने कार में रखे 60 हजार और कार की चाबी छीन ली।कारोबारी विवेक शर्मा के मुताबिक कार में युवती ने उसे धमकाया कि अगर 5 लाख रूपये नहीं दिए तो झूठे रेप केस में फंसा देगी। उसे करीब 4 घंटे तक हाइवे पर बंधक बनाकर आरोपी घुमाते रहे। इसी बीच उसने किसी तरह आरोपियों से नजर बचाकर कार का जीपीएस लॉक कर दिया तो कार स्टार्ट नहीं हुई। जिसके बाद आरोपी युवतियां व युवकों ने दूसरी कार मंगवाई और उसे वहीं छोड़कर भाग गए।

लोकायुक्त टीम ने रंगे हाथों पकड़ा

नौकरी दिलाने के नाम पर शिवपुरी में सुपरवाइजर ने ली रिश्वत, पकड़ा

शिवपुरी। रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त टीम रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला जिले का है जहां महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर को रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त ग्वालियर की टीम ने रंगेहाथों पकड़ा है।

शिवपुरी जिले के नरवर में पदस्थ महिला बाल विकास विभाग की महिला सुपरवाइजर अनीता श्रीवास्तव ने वीरपुर गांव के रहने वाले शिशुपाल जाटव नाम के युवक से उसकी बहन को आंगबाड़ी सहायिका के पद पर नियुक्ति दिलाने के एवज में 1 लाख 80 हजार रूपये की रिश्वत की मांग की थी और एडवांस में 20 हजार रूपये की डिमांड की थी। इस बात की शिकायत आवेदक शिशुपाल ने 30 जुलाई 2025 को ग्वालियर लोकायुक्त कार्यालय में की थी। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर 5 अगस्त को आवेदक शिशुपाल को कैमिकल लगे 20 हजार रूपये के नोट लेकर महिला सुपरवाइजर अनीता श्रीवास्तव के पास भेजा।

रिश्वत देने के लिए रिश्वतखोर सुपरवाइजर ने उसे नरव कार्यालय में बुलाया और जैसे ही रिश्वत के रूपये लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त की टीम ने रिश्वतखोर महिला सुपरवाइजर अनीता श्रीवास्तव को रंगेहाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त टीआई बलराम सिंह राजावत ने बताया कि मामले में अगर किसी और अधिकारी की भूमिका होगी तो उसकी भी हम जांच कर रहे हैं।

विभिन्न मांगों को लेकर एनएसयूआई क्रमिक भूख हड़ताल पर, भ्रष्टाचार के लगाए आरोप

सागर। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस की छात्र विंग एनएसयूआई ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार एवं छात्र विरोधी गतिविधियों के आरोप गाए हैं। एनएसयूआई के कार्यकर्ता 8 सूत्रीय मांगों को लेकर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठ गए। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ संगठन के जिलाध्यक्ष अक्षत कोठारी के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ता सिविल लाइन में जिला पंचायत कार्यालय के सामने भूख हड़ताल की जा रही है। संगठन की मांग है कि स्नातक पाठ्यक्रमों की सीटों में वृद्धि की जाए। प्रवेश में स्थानीय विद्यार्थियों को आरक्षण और प्राथमिकता दी जाए। छात्रावास आवंटन प्रक्रिया में मेरिट को आधार बनाया जाए। विश्वविद्यालय की नियुक्त प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से की जाए। विश्वविद्यालय में चल रहे अनावश्यक निर्माण कार्य रोके जाएं। जारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की

जांच की जाए। दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाए। जिलाध्यक्ष कोठारी ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जब तक हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा हम अपनी हड़ताल जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी एक मांग भारत सरकार से है कि सागर विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिया जाए। हड़ताल में रात 10 बजे शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी भी शामिल हुए। विश्वविद्यालय अध्यक्ष अंशु शर्मा, उपाध्यक्ष प्रसून पटेल, जतिन सिंह, पारस साहू, आलोक सोनी, शिवांग उपाध्याय, अभिषेक अहिरवार, अंशु झांझरिया, साहित्य ठाकुर आदि मौजूद थे।

कार्रवाई: अनियमिताएं मिलने पर मयूरी राजस्थान मिष्ठान भंडार सील

सागर। सरकारी बस स्टैंड पर संचालित एक होटल पर अनियमिताएं पाए जाने पर उसे सील किया गया है। मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत संयुक्त कलेक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह, तहसीलदार प्रतीक रजक एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रीति राय ने कार्यवाही करते हुए दीनदयाल चौराहा बस स्टैंड स्थित मयूरी राजस्थान मिष्ठान भंडार पर अनियमितताएं पाए जाने पर शासकीय प्रभाव से सील की गई। संयुक्त कलेक्टर सिंह ने बताया कि कलेक्टर संदीप जी. आर. के निर्देश पर मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत जिले में सभी खाद्य सामग्री विक्रेताओं, डेयरियों एवं मिठाई दुकानों पर नियमित सैंपलिंग की जा रही है। जहां भी मिलावट या अनियमितताएं पाई जाने पर उसकी सील किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संयुक्त दल के द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में स्थित मयूरी राजस्थान स्वीट्स पर की गई कार्रवाई के दौरान अनेक अनियमितताएं सामने आईं, जिसके आधार पर प्रतिष्ठान को सील करने की कार्यवाही की गई।

दो भाइयों पर हथियार से जानलेवा हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार

सागर। मोतीनगर पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक पर जानलेवा हमले के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। भोपाल रोड स्थित कृष्णा फैमिली रेस्टोरेंट बंद कर लौट रहे दो भाइयों निखिल सोनी और पार्थ सोनी पर रामबाग मंदिर के पास आरोपियों ने हथियारों से जानलेवा हमला किया था। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि छोटू तिवारी ने पहले रास्ता रोका, पीयूष चौरसिया, दीपक रैकवार और नितिन ने हथियारों से हमला कर दिया था। पुलिस ने पूछताछ कर आरोपी नितिन, पीयूष व छोटू उर्फ शिवम को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी फरार है।

एक आरोपी की तलाश जारी

श्रीराम राजा सरकार के दरबार में 14.39 करोड़ का चढ़ावा

टीकमगढ़। श्रीराम राजा सरकार की नगरी ओरछा में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते चार वर्ष में पहुंचे श्रद्धालुओं में से 15 लाख से ज्यादा ने ऑनलाइन भुगतान कर सेवाओं का लाभ लिया। इससे मंदिर को 14.39 करोड़ रुपए की आय हुई। दानपात्र में आने वाली राशि अलग है। वर्ष 2021 में मंदिर की सेवाओं को ऑनलाइन किया गया था।

मेट्रो एंकर

हिंदू समाज की लापता हुई दो युवतियों को किया बरामद

लव जिहाद को लेकर दो पक्ष फिर आमने-सामने, पुलिस बल तैनात

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

जिले के खाचरौद क्षेत्र में लगातार हो रही लव जिहाद की घटनाओं के विरोध सर्व हिंदू समाज द्वारा किए जा रहे है आंदोलन से पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया और हिंदू समाज की लापता हुई दोनों युवतियों को तलाश लिया। इस घटना के बाद शहर में तनाव फैल गया। पुलिस मंगलवार देर रात्रि लापता एक युवती व मुस्लिम समाज के एक को थाने लेकर आई। जिसकी सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग पुलिस थाने पहुंच गए । इसी दौरान थाने पर मुस्लिम समाज के कुछ युवक भी आ गए और दोनों पक्षों का आमना-

सामना हो गया। जिससे मामला गर्मा गया और बाद में रात 1 बजे के दरमियान मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में एक स्थान पर एकत्रित होने लगे। इस सूचना के बाद हिंदू समाज के लोग भी एकत्रित होने लगे। इस की खबर लगते ही जिला पुलिस प्रशासन भी अलर्ट हो गया और आसपास के आधा दर्जन थाने नागदा, बिरलाग्राम, बड़नगर, महिदपुर, भाटपचलाना का बल खाचरोद में तैनात कर दिया गया। जिसके बाद रात 3 बजे मामला शांत हुआ।

गौरतलब है कि गत 5 दिन में खाचरोद क्षेत्र से हिंदू समाज की दो युवतियों को मुस्लिम समाज के दो युवक ले गए थे। जिसकी रिपोर्ट परिजनों ने पुलिस थाना में कराई थी । पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। पहली घटना गांव चांपानेर में 01 अगस्त की रात्रि में हुई थी। गांव डोडिया में निवास करने वाला मुस्लिम समाज का सादिक 20 वर्षीय महाविद्यालय की छात्रा को ले गया था। सादिक शादीशुदा है उसके दो बच्चे भी है जबकि युवती कॉलेज में पढाई करती है। इसके घटना के बाद 2 अगस्त को बड़ी संख्या में सर्व हिंदू समाज द्वारा पुलिस थाने का घेराव कर उग्र आंदोलन के चेतावनी दी थी। इस घटना के एक दिन बाद 3 अगस्त की रात्रि में खाचरोद निवासी सेजान एक हिन्दू युवती को भगा ले गया। लगातार दो घटना होने से 4 अगस्त को हिंदू समाज ने खाचरोद शहर बंद का आंदोलन कर दिया और 7 अगस्त को महापंचायत बुलाने की घोषणा की गई। मिली जानकारी अनुसार पुलिस ने युवतियों को ले गए मुस्लिम समाज के युवकों के परिजनों से पूछताछ की। हिंदू समाज के आक्रोश और पुलिस प्रशासन की सख्ती से सैजान युवती को मंगलवार को उसके रिश्तेदार के यहां उज्जैन में छोड़ गया, जबकि दूसरे युवक सादिक को पुलिस ने राजस्थान के अजमेर से पकड़ लिया और युवती एवं युवक को रात 10.30, बजे पुलिस थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने दोनों यूवकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। बुधवार सुबह से ही बड़ी संख?या में पुलिस बल अभी तैनात है और हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रही है।

बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के लिए अतिथि शिक्षक संगठन आया आगे

तेंदुखेड़ा। तारादेही अतिथि शिक्षक संगठन तेंदूखेड़ा द्वारा बाढ़ पीड़ितों को राहत देने तारादेही से कुछ दूर कोसमदा ग्राम पहुंचा। यह कोटखेड़ा पंचायत में है जो घने जंगल में है जहां अतिथि शिक्षकों ने पहुंचकर खाद्य सामग्री घर - घर जाकर वितरण की। कुछ दिन पहले इस गांव से लगी व्यारमा नदी में बाढ़ आ गई थी जिससे इस गांव के लोगों के घरों में पानी भर गया था। लोगों की खाने - पीने की सामग्री बाढ में बह गई थी। इस बाढ से कई गांव प्रभावित हुए थे। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष उमाशंकर चौकसे का कहना है कि यह गांव काफी जंगल में है तो यहां विभिन्न संगठनों द्वारा राहत सामग्री पहुंचाने में काफी कठिनाई होती है। हमारे संगठन के सदस्यों ने कहा कि इसी गांव में खाद्य सामग्री देने चलना है। हम लोग काफी संख्या में इस गांव पहुंचे। इसके बाद ग्राम खमतरा में हमारे अतिथि शिक्षक भाई रामप्रसाद अहिरवार के घर में बाढ़ का पानी भरने से इनके घर में रखा सारा सामान पानी में बह गया तो उनको भी कुछ खाद्य सामग्री दी। इस नेक कार्य में ब्लॉक के समस्त अतिथि शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कोहली के जमाने में डेब्यू, सचिन के साथ खेले, रोहित-धोनी संग ट्रॉफी उठाई...

अब शुभमन की सेना के सबसे मजूबत कड़ी बने सर रवींद्र जडेजा

नयी दिल्ली, एजेंसी

रवींद्र जडेजा भारतीय क्रिकेट का वो नाम है, जिसने हर दौर में खुद को साबित किया है। दो दिन पहले समाप्त हुआ इंग्लैंड दौरा भी कुछ ऐसा ही रहा, जहां सर जडेजा ने अपनी चमक बिखेरी। जब इस दौरे पर भारतीय टीम बैटिंग के दौरान प्रेशर में आई तो रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभालते हुए टीम को संकट से निकाला। जब तेज गेंदबाज थोड़े थक गए और कप्तान ने उन्हें रेस्ट दिया, तो रवींद्र जडेजा ने गेंदबाजी में भी जिम्मेदारी उठाई।

रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड दौरे पर पांचों टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 86 के एवरेज से 516 रन बनाए। इस दौरान जडेजा के बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। पहली बार ऐसा हुआ जब किसी टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की ओर नंबर-6 या उससे निचले क्रम पर बैटिंग करते हुए एक बल्लेबाज ने 500 या उससे ज्यादा रनों का योगदान दिया।

इंग्लैंड दौरे पर जडेजा ने सबसे यादगार पारी मैनचेस्टर टेस्ट मैच में खेली। उस मुकाबले में रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने भारत की दूसरी पारी में पांचवें विकेट के लिए 203* रनों की साझेदारी करके मैच बचाया था। रवींद्र जडेजा 107 और वॉशिंगटन सुंदर 101 रन पर नाबाद रहे थे। भारतीय टीम को इस दौरे पर एजबेस्टन और ओवल टेस्ट मैच में जीत हासिल हुई। इन दोनों मुकाबलों में जडेजा छाए रहे। जडेजा ने एजबेस्टन टेस्ट में दोनों पारियों में अर्धशतक जड़े। जबकि ओवल टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में उन्होंने फिफ्टी जड़ी।

औसत के मामले में अवव्ल रहे रवींद्र जडेजा

इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में रवींद्र जडेजा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में चौथे नंबर पर रहे। शुभमन गिल, जो रूट और केएल राहुल ने ही रवींद्र जडेजा से ज्यादा रन बनाए। हालांकि इन तीनों का ही बैटिंग औसत रवींद्र जडेजा की तुलना में कम रहा। गेंदबाजी की बात करें तो जडेजा ने इस सीरीज में 142।1 ओवर्स डाले, जिसमें उन्होंने कुल 7 विकेट चटकाए। इंग्लिश पिचें वैसे भी स्पिनर्स के मददगार नहीं होती हैं, ऐसे में उनका गेंद से भी प्रदर्शन ठीक ही माना जा सकता है।

रवींद्र जडेजा ने अपना टेस्ट डेब्यू दिसंबर 2012 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में किया था। तब इंग्लैंड की ओर से जो रूट ने भी अपना टेस्ट डेब्यू किया था। जडेजा के डेब्यू टेस्ट मैच में भारतीय टीम का हिस्सा सचिन तेंदुलकर भी थे। साथ ही विराट कोहली का भी शानदार दौर शुरू हो चुका था। अब सालों बाद वही जडेजा अब शुभमन गिल की कप्तानी में टीम के सबसे सीनियर प्लेयर बन चुके हैं। जडेजा मैदान पर एक खिलाड़ी का रोल तो निभा ही रहे हैं, साथ ड्रेसिंग रूम में उनकी भूमिका किसी मेंटर से कम नहीं है।

बाएं हाथ के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का अनुभव इंग्लैंड जैसी मुश्किल परिस्थितियों में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा फर्क लेकर आया। इस युवा टीम में जहां कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे युवा खिलाड़ी थे। वहीं रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी का साथ होना बड़ा जरूरी था। रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी गेंद और बल्ले से कमाल दिखाने साथ ही ड्रेसिंग रूम में भी स्थिरता लाते हैं।

करीबी श्रृंखलाएं, जब कौशल और साहस की हुई कड़ी परीक्षा

कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में जुड़ गया एक और चमकदार पन्ना

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22- यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था।भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बिर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21

संभवत- यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।

भारत बनाम श्रीलंका, 2015

इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11

यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्कल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।

भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12

अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

मबोको का सेमीफाइनल में सामना रिबाकिना से ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर अंतिम-चार में

मॉन्ट्रियल 7 एजेंसी। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

अगर हम कड़ी मेहनत करते रहें, तो टेस्ट क्रिकेट पर राज कर सकते हैं: गौतम गंभीर

लंदन । भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज को 2-2 से बराबरी पर खत्म किया, जिससे हेड कोच गौतम गंभीर बेहद खुश हैं। कोच ने भारत के टेस्ट क्रिकेट में राज करने की क्षमता पर भरोसा जताया, बशर्ते खिलाड़ी अपनी कार्य नीति और प्रतिबद्धता को बनाए रखें। भारत ने सोमवार को केनिंग्टन ओवल में छह रन से रोमांचक जीत दर्ज की थी। इस जीत ने न सिर्फ भारत को हेड कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज हार से बचाया, बल्कि शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम पर संदेह करने वाले आलोचकों का मुंह भी बंद कर दिया।

रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। वरिष्ठ बल्लेबाजों की गैरमौजूदगी में युवा भारतीय टीम ने एकजुट होकर खेला और इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया। बीसीसीआई%ने ड्रेसिंग रूम का वीडियो शेयर किया, इसमें गंभीर ने कहा, ÷जिस तरह से यह सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही, यह एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई। याद रखें, हम बेहतर होते रहेंगे। कड़ी मेहनत करते रहेंगे।

मनोरंजन
बॉलीवुड का कोना

बड़ी स्क्रीन पर फिर दिखेगी परिणीता, बेहद खुश विद्या बालन

अभिनेत्री विद्या बालन की डेब्यू फिल्म परिणीता जल्द ही 8के रिस्टोर्ड प्रिंट में दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस मौके पर विद्या ने फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ बिताए पलों को याद किया। पुरानी यादें ताजा करते हुए विद्या बालन ने कहा कि जब फिल्म के डायरेक्टर प्रदीप सरकार उन्हें सीन समझाने के लिए खुद चलते हुए एक्टिंग करके दिखाते थे, तो वह हंस-हंसकर लोटपोट हो जाती थीं। विद्या ने हंसते हुए कहा, मैं कहती थी, दादा, मुझे चलना सिखाने की जरूरत नहीं है!

इस फिल्म को प्रसाद फिल्म लैब्स ने रिस्टोर किया है, जिससे इसकी खूबसूरत कहानी और शानदार सीन फिर से जीवंत हो गए हैं। वहीं, फिल्म का नया ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है।

नए ट्रेलर के बारे में विद्या बालन ने कहा, मुझे याद है जब मैंने पहली बार 'पीयू बोले' गाना सुना था, तभी मुझे एहसास हो गया था कि ये गाना कुछ खास है। इस गाने में एक नरमी थी, जो उस समय मेरे एहसास से मेल खा रही थी। उन दिनों मैं थोड़ी मासूम थी, अनजान, और अंदर से उम्मीदों से भरी हुई थी। अब जब ट्रेलर देखा, तो वही धुन फिर से यादें ताजा कर गईज्कैसे शूटिंग के दौरान (दादा) प्रदीप दा मॉनिटर के पीछे से चिल्ला-चिल्लाकर सीन समझाते थे और खुद एक्टिंग करके दिखाते थे। जब वे मेरे सीन में औरत की तरह चलने की एक्टिंग करते थे, तो मैं हंस-हंस कर पागल हो जाती थी। मैं कहती थी, 'दादा, मुझे चलना सिखाने की जरूरत नहीं है।

सोने का दाम एक लाख रुपए के ऊपर, चांदी की कीमत 500 रुपए से अधिक बढ़ी

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । सोना-चांदी की कीमतों में मंगलवार को मिला जुला कारोबार हुआ। 24 कैरेट के सोने की कीमत एक लाख रुपए के पार बनी रही। वहीं, चांदी की कीमत में 500 रुपए से अधिक की बढ़त देखी गई। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 91 रुपए गिरकर 1,00,076 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते सोमवार को 1,00,167 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत कम होकर 91,670 रुपए हो गई है, जो कि पहले 91,753 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम घटकर 75,057 रुपए हो गया है, जो कि पहले 75,125 रुपए प्रति 10 ग्राम था। आईबीजेए की ओर से सोने और चांदी की कीमतों को दिन में दो बार सुबह और शाम अपडेट किया जाता है। चांदी की कीमत बढ़कर 1,12,422 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,11,900 रुपए प्रति किलो थी। चांदी की कीमत में 522 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वायदा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट और चांदी की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 3 अक्टूबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.37 प्रतिशत गिरकर 1,00,830 रुपए और चांदी के 5 सितंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.33 प्रतिशत बढ़कर होकर 1,12,160 रुपए थी।

रांझणा में एआई से हुई छेड़छाड़ के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे आनंद एल राय, धनुष भी आए साथ

धनुष और सोनम कपूर की फिल्म रांझणा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से छेड़छाड़ के बाद इसकी री रिलीज को लेकर खूब चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का पूरा क्लाइमैक्स ही बदल दिया गया है। फिल्म में हैप्पी एंडिंग दिखाई गई है, इसपर न सिर्फ फिल्म मेकर बल्कि खुद धनुष ने भी अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। अब आनंद एल राय की तरफ से बयान सामने आया है कि यह एक खतरनाक मिसाल है। वह अपनी दूसरी अन्य फिल्मों को लेकर भी चिंता जताते हुए नजर आए हैं, उन्होंने यह संभावना जताई है कि आने वाले वक्त में उनकी अन्य फिल्मों के साथ भी इस तरह का मजाक हो सकता है। ऐसे में वह अब इसके खिलाफ लीगल एक्शन लेने का प्लान कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें धनुष का भी साथ मिल रहा है। आनंद एल राय ने कहा, 'मैं अपनी दूसरी फिल्मों को लेकर बहुत चिंतित हूं और धनुष भी', आनंद एल राय और अभिनेता रांझणा में AI-बदलाव को लेकर कानूनी कार्रवाई की संभावना तलाश रहे हैं।

एक बेहद खतरनाक मिसाल- फिल्म निर्देशक आनंद एल राय ने अपनी 2013 की फिल्म 'रांझणा' के एआई-संशोधित री-रिलीज की कड़ी निंदा की है, जिसमें फिल्म को एक वैकल्पिक सुखद अंत (हैप्पी एंडिंग) के साथ फिर से जारी किया गया है। उन्होंने इसे फिल्म इंडस्ट्री के लिए ÷एक बेहद खतरनाक मिसाल÷ बताया है। हाल ही में जारी एक बयान में, निर्देशक ने पुष्टि की कि वह और फिल्म के मुख्य अभिनेता धनुष जिन्हें वह स्नेहपूर्वक अलग माताओं से जन्मे भाई कहते हैं, इस अनधिकृत बदलाव के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहे हैं।

आनंद एल राय ने अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की

आनंद एल राय ने कहा, ÷मैं अपनी अन्य फिल्मों को लेकर बहुत चिंतित हूं। और धनुष भी। हम सक्रिय रूप से न्यायिक विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, ताकि हमारे रचनात्मक कार्यों को इस तरह के बाहरी हस्तक्षेप से बचाया और संरक्षित किया जा सके।÷ निर्देशक ने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही वे दीर्घकालिक कानूनी उपायों पर विचार कर रहे हैं, लेकिन इस समय उनकी प्राथमिकता 'रांझणा' के एआई-संशोधित संस्करण से उत्पन्न वर्तमान संकट को तुरंत समाधान करना है। इसके बाद ही वे व्यापक स्तर पर रचनात्मक अधिकारों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएंगे।

अदाणी ग्रुप प्रोजेक्ट उत्थान से मुंबई के स्कूलों में 1.5 लाख बच्चों को बुनियादी शिक्षा करेगा प्रदान

मुंबई । बुनियादी शिक्षा में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अदाणी फाउंडेशन और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने प्रोजेक्ट उत्थान के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। अदाणी ग्रुप की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल का उद्देश्य शहर भर के 947 नगरपालिका स्कूलों के 1.5 लाख छात्रों के लिए फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी (एफएलएन) स्किल को बढ़ाना है। यह पहल मुंबई में प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने की अदाणी ग्रुप की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 2021 से प्रोजेक्ट उत्थान बीएमसी, अदाणी फाउंडेशन और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के बीच एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है और यह शिक्षा पर केंद्रित है। इसने मलाड, दहिसर, बोरीवली, चेंबूर और कुर्ला स्थित 83 बीएमसी स्कूलों में बुनियादी शिक्षा को बदलने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे 25,000 से अधिक छात्रों को सीधे लाभ हुआ है। इस पहल से पहले ही सीखने के परिणामों, छात्रों की सहभागिता और समावेशी कक्षाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया है। यह पहल केंद्र सरकार के निपुण भारत मिशन के साथ भी जुड़ी हुई है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के मूल सिद्धांतों को दर्शाती है। शैक्षणिक मानकों से परे, प्रोजेक्ट उत्थान का उद्देश्य मजबूत बुनियादी शिक्षण वातावरण का निर्माण कर मुंबई की सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाना है।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम चौधरी व अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में अरेरा कालोनी के मातामंदिर मे शिवलिंग पूजन, हरियाली तीज एवं एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण समारोह हुआ। इसमें महापौर मालती राय भी शामिल हुई। इसके बाद समाज की बैठक में समीक्षा गुप्ता पूर्व महापौर ग्वालियर, पावनी संगीता गुप्ता रेनु शिवहरे आदि मौजूद रहीं।

मोबाइल के विवाद में युवक की लात घूंसों से पीट पीटकर हत्या

शनि मंदिर के पास चबूतरे पर साथ पी शराब, फिर कर दी हत्या

भोपाल दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित शनि मंदिर के पास चबूतरे पर एक युवक ने अपने ही परिचित की लात घूंसों से पीट- पीटकर हत्या कर दी। हत्या की वजह मोबाइल का पुराना विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार बलवंत सिंह पिता हल्के सिंह गौड़ (40) बागमुगलिया में रहता था और

बेलदारी करता था। उसका बागसेवनिया में रहने वाले शनि उर्फशशांक गुप्ता से मोबाइल को लेकर विवाद था। शनि गुप्ता सब्जी का ठेला लगाता है। सोमवार को बलवंत और शनि गुप्ता का शनि मंदिर के पास चबूतरे पर बैठकर शराब पी रहे थे। शराब पीते समय दोनों का विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर शनि गुप्ता ने बलवंत के साथ लात घूंसों से मारपीट कर दी। मारपीट करने के बाद शनि गुप्ता मोके से भाग निकला। देर रात बलवंत को स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में देखा और अस्पताल लेकर पहुंचे। उसकी नाक और मुंह से काफी खून बह रहा था। इलाज के दौरान उसकी अस्पताल में मौत हो गई।

अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की। जांच में पता चला कि बलवंत और शनि गुप्ता का मोबाइल को लेकर पुराना विवाद था। सोमवार शाम शनि और बलवंत साथ मेंघूमते हुए देखे गएथे। इसके अलावा दोनों ने साथ शराब भी पीथी।

बिजली का लोड बढाने अब ऑनलाइन आवेदन सुविधा

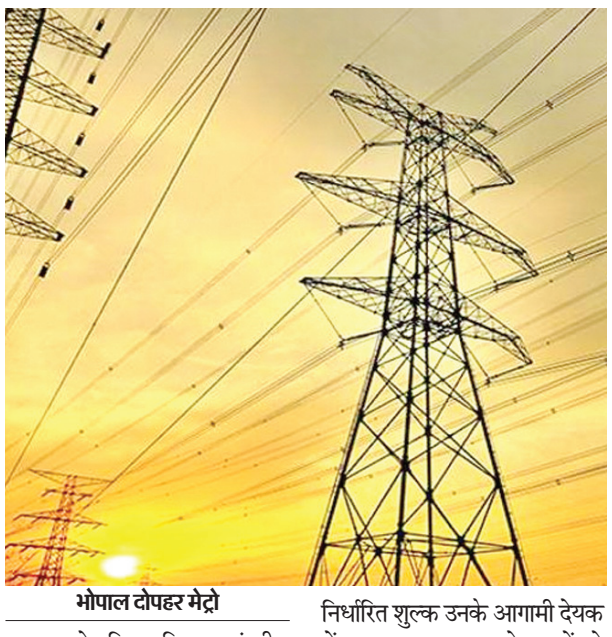

भोपाल दोपहर मेट्रो

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 10 किलोवाट भार तक के घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए स्वचालित भार वृद्धि की एक नई सुविधा दी है। एमडी क्षितिज सिंघल ने बताया कि 15 दिन के भीतर एक हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन आवेदन कर अपने कनेक्शन की भार वृद्धि कराने का लाभ उठाया है।

उपभोक्ताओं को केवल सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर ऑनलाइन आवेदन करना होगा और कंपनी के पोर्टल के माध्यम से बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप या जोन-स्तरीय अनुमोदन के बिना त्वरित और निर्बाध रूप से उनका भार स्वीकृत हो जाएगा और भार वृद्धि के लिए निर्धारित शुल्क उनके आगामी देयक में जुड़कर आएगा। उपभोक्ताओं को 10 किलोवाट भार तक भार वृद्धि के लिए किसी जोन अथवा वितरण कार्यालय में संपर्क करने की जरूरत अब खत्म हो गई है।

बैठक में सिंघल ने कहा कि विद्युत लाइनों और उपकेन्द्रों का रखरखाव का ऐसा प्लान तैयार किया जाए जिससे कम से कम समय का शटडाउन लिया जाए तथा ट्रिपिंग कम से कम हो।

उन्होंने विद्युत दुर्घटनाओं को लेकर जागरूकता अभियान चलाने व ट्रांसफार्मर डोर को कवर करने तथा फैंसिग पर ध्यान देने को कहा। इसके अलावा भोपाल के आसपास बन रहे नये आवासीय परिसरों का सर्वे कर कनेक्शन देने के लिये भी कहा गया।

बैरागढ़ में कैलाश डेयरी के पास बाइक सवार बदमाशों ने की वारदात

घर के सामने कपड़ा व्यापारी का पचास हजार रुपए से भरा बैग छीनकर भाग गए बदमाश

भोपाल दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित कैलाश डेयरी के पास मंगलवार रात करीब 11 बजे बाइक सवार बदमाशों ने कपड़ा व्यापारी के हाथ में रखा पचास रुपए से भरा बैग छीन लिया।

घटना के समय वह दुकान से गल्ले का पैसा लेकर घर पहुंचे थे, तभी घर के सामने बाइक सवारों ने लूट की इस वारदात को अंजाम दिया। व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और इलाके की घेराबंदी की, लेकिन बाइक सवा लुटेरों का सुराग नहीं लग सका है। व्यापारी ने बताया कि दोनों लुटेरे चेहरे पर मास्क लगाकर आएथे।

पुलिस के अनुसार हीरो उर्फहीरालाल इसरानी (45) कैलाश डेयरी के पास बैरागढ़ में रहते हैं। उनकी बैरागढ़ कपड़ा मार्केट में दुकान हैं। वे कपड़ा व्यापारी के साथ भारतीय जनता पार्टी के नेता भी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात उन्होंने दुकान के गल्ले से पैसे निकाले और बैग में रखकर स्कूटी से घर की तरफ निकले।

वे कैलाश डेयरी के पास से

घर तक पहुंच गएथे। घर के सामने स्कूटी खड़ी करते समय पीछे से बाइक सवार दो युवक आ गए। एक युवक बाइक पर बैठा था, जबकि उसके साथ ने उनके हाथ से बैग छीन लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बैग छीनने वाला बदमाश अपने साथी की बाइक पर बैठकर भाग निकला। हीरालाल ने बताया कि उनके बैग पचास हजार रुपए की नगदी थी।

देर रात दर्ज हुई लूट की एफआईआर

लूट की इस घटना के बाद हीरालाल इसरानी ने परिचितों को जानकारी दी और उनके साथ थाने पहुंचे। वहां पुलिस को शिकायत की। शिकायत मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। निरीक्षण करने के बाद देर रात एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस का कहना हैकि घटनास्थल और मुख्य सड़क पर सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं।

कपड़ा व्यापारी संघ ने की गिरफ्तारी की मांग

हीरालाल इसरानी के साथ हुई लूट की इस वारदात की बैरागढ़ कपड़ा व्यापारी संघ ने निंदा की है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द करने की पुलिस से मांग की है। पुलिस ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चैकिंग के दौरान हथियार के साथ पकड़ाया रिक्शा चालक

भोपाल। ऐशबाग इलाके में वाहन चैकिंग के दौरान एक रिक्शा चालक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी छुरी लेकर घूम रहा था। इधर टीटी नगर समेत विभिन्न इलाकों में कई बदमाशों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए हर इलाके में चेकिंग चलाई जा रही है। ऐशबाग थाना पुलिस द्वारा सुभाष रोड स्थित ओम अस्पताल के पास वाहनों की चेकिंग के दौरान एक बैटरी रिक्शा चालक को पुलिस ने रोका। तलाशी लेने पर उसके पास सीट के नीचे रखी एक छुरी मिली, जिसे जब्त कर लिया गया। पूछताछ पर चालक ने अपना नाम आशीष बंसल निवासी चौकी इमामबाड़ा बताया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इधर टीटी नगर पुलिस ने लाड़ली बहना पार्क के पास छोटू शाहिद से एक चाकू, टीटी नगर स्टेडियम के पास सुनील राजोरे से एक छुरी और दशहरा मैदान के पास दीपक उमाड़े से एक तलवार जब्त की है। इसी प्रकार कमला नगर पुलिस ने खुशीलाल मैदान के पास अजय गोलाइत से छुरी जब्त की है।

कार और ट्रक की टक्कर से मवेशी की मौत

भोपाल। कोलार रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े मवेशी को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। इसी इलाके में आयशर ट्रक की टक्कर से एक मवेशी को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने दोनों मामलों में वाहन चालकों के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बलवान सिंह (39) महाबडिया कोलार रोड पर रहते हैं और किसानी करते हैं। वह कजलीखेड़ा इलाके में अपने दोस्तों के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बलेनो कार के चालक ने सड़क किनारे डिवाइडर के पास खड़े एक मवेशी को टक्कर मार दी, जिससे मवेशी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बलवान की रिपोर्ट पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी इलाके में घटना से कुछ देर पहले एक तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने कजलीखेड़ी स्थित ज्ञान निकेतन स्कूल के पास डिवाइडर के पास खड़े मवेशी को टक्कर मार दी थी, जिससे उसे गंभीर चोट आई थी।

अवैध कनेक्शन के चलते मासूम बच्ची को लगा करंट

भोपाल दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद इलाके में करंट लगने से हुई एक मासूम बच्ची की मौत के मामले में पुलिस ने मृतका का पिता के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच के दौरान पता चला कि अवैध कनेक्शन के चलते बच्ची को करंट लगा था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार मृतका बेबी उर्फ अजरा पुत्री हमीद (2 साल) टीबी अस्पताल के सामने शाहजहांनाबाद में रहती थी। बीती पच्चीस मई की सुबह करीब नौ बजे उसे बिजली का करंट लग गया था। परिजन उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई थी।

मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने हमीद के घर लगे बिजली कनेक्शन की जांच करवाई तो पता चला कि बिजली विभाग से यह कनेक्शन नहीं लिया गया था, बल्कि अवैध रूप से तार डाला गया था, जिससे बच्ची को करंट लगा था। जांच के बाद पुलिस ने हमीद के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है।

एक्सीडेंट में बाइक सवार दो लोग हुएघायल

भोपाल। अरेरा हिल्स इलाके में दोपहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता ब्रजेश शर्मा मंगलवार को अपने दोस्त रवि के साथ बाइक से कोर्ट से महिला थाने की तरफ जा रहे थे। पुरानी जेल रोड स्थित पशु चिकित्सालय के पास पहुंचे, तभी अचानक पीछे से आए दोपहिया वाहन के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने ब्रजेश के साथी की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पीछे से टक्कर लगने के बाद शरीर से गुजरा ट्रक का पहिया

एक्टिवा सवार जनसंपर्क कर्मी को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल दोपहर मेट्रो

बागसेवनियाथाना क्षेत्र स्थित गणेश मंदिर के पास अंबेडकर ब्रिज पर मंगलवार रात ट्रक ने एक्टिवा सवार जनसंपर्क विभाग के कर्मचारी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वे सड़क पर एक्टिवा सहित गिरे थे। इसी बीच ट्रक ने उन्हें कुचल दिया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक को बरामद कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार संजय शर्मा पिता स्वर्गीय मन्नू लाल शर्मा (35) श्रीराम कॉलोनी, मिसरोद में रहते थे और जन संपर्कविभाग में नौकरी करतेथे। बीती रात करीब साढ़े 12 बजे वह जन संपर्कविभाग के दफ्तर से ड्यूटी कर एक्टिवा से घर जाने के लिए निकले थे। गणेश मंदिर के पास अंबेडकर ब्रिज खत्म होने के बाद वह वीर सावरकर सेतु ब्रिज पर चढ़ने वाले ही थे कि उनकी एक्टिवा को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर पीछे से लगने के कारण वे एक्टिवा सहित सड़क पर गिर गएथे। सड़क पर अंदर की तरफ गिरने के कारण ट्रक का पहिया उनके शरीर से होता हुआ निकलने सो उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मेट्रो एंकर

बैरसिया पुलिस ने टीम बनाकर दबोचा

हत्थे चढ़ा डीजल चोर गिरोह, एसयूवी व 15 लाख का माल बरामद

भोपाल दोपहर मेट्रो

देहात इलाके की बैरसिया थाना पुलिस ने वाहनों से डीजल चोरी करने वाले एक गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में उपयोग की गई एसयूवी और चोरी का डीजल समेत करीब 15 लाख से ज्यादा का माल बरामद किया गया है। आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि गिरोह ने इस प्रकार से और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है।

जानकारी के अनुसार फरियादी राजा अली (35) गांधी चौक बैरसिया में रहते हैं और एक ट्रैवल्स में सुपरवाइजर हैं। राजा ने पुलिस को

बताया कि उनके ट्रैवल्स की एक बस सोमवार रात बैरसिया बस स्टैंड पर खड़ी की गई थी। मंगलवार सुबह देखा तो बस के डीजल टैंक का ढक्कन खुला मिला और उसमें भरा हुआ डीजल गायब था। पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने बताया कि टैंक में 50 से 60 लीटर डीजल भरा हुआ था। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ डीजल चोरी का केस दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की एक विशेष टीम बनाकर आरोपियों की तलाश में लगाया गया था। एसयूवी में सवार मिले 3 आरोपी पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने के साथ ही मुखबिरों को सक्रिय किया।

इसी दौरान एक संदिग्ध महिंद्रा एसयूवी 700 के बारे में पुलिस को पता चला। पुलिस ने उक्त एसयूवी को घेराबंदी कर रोका तो उसमें तीन युवक मिले। पूछताछ करने पर तीनों ने बस के टैंक से डीजल चोरी करना स्वीकार कर लिया। उनके पास से पुलिस ने चोरी किया गया 50 लीटर डीजल, जैक और वारदात में उपयोग की गई एसयूवी समेत करीब 15 लाख का माल जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम विजय अहिरवार और राज अहिरवार दोनों निवासी सीहोर और संदीप अहिरवार निवासी टीटी नगर भोपाल बताए गए हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी वीरेन्द्र सेन, एसआई दिलीप जायसवाल, आरक्षक देवेन्द्र, मनोज, नरोत्तम, नीरज दांगी, रामसेवक एवं एनआरएस बबलू राजपूत, इसराईल खान तथा राहुल सेन का योगदान रहा।

बस की टक्कर से युवती की कार क्षतिग्रस्त

भोपाल। पिपलानी इलाके में एक तेज रफ्तार बस के चालक ने युवती की कार को

टक्कर मार दी, जिससे उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के मुताबिक अयोध्या नगर में रहने वाली कविता प्रभाकर (30) प्रायवेट नौकरी करती हैं। मंगलवार की शाम करीब सात बजे वह अपनी कार से एमपी नगर कार्यालय से अपने घर लौट रही थी। जेके रोड स्थित महिंद्रा शोरूम के सामने तेज रफ्तार बस के चालक ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी, जिससे कार का बोनट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस हादसे में कविता को चोट नहीं आई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022